लखनऊ

शनिवार, 28 सितम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 78

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शिक्षा अचानक से प्राप्त नहीं की जा सकती, इसे उत्साह और परिश्रम के द्वारा प्राप्त किया जाना चाहिए। - अबीगैल एडम्स

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

चीन नहीं आ रहा हरकतों से बाज, एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश पर जताया अधिकार

बीजिंग। भारत का पड़ोसी देश चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है और भारत के हिस्सों पर अपना अधिकार जमाने से पीछे नहीं हट रहा है। एक बार फिर चीन ने हिमाकत की। अरुणाचल प्रदेश की एक चोटी का नाम हाल ही में छठे दलाई लामा के नाम पर रखा गया, जिसके बाद चीन इससे नाराज हो गया और उसने इस क्षेत्र पर अपना एक बार फिर दावा दोहराया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स (एनआईएमएएस) की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश में 20,942 फीट ऊंची एक चोटी की चढ़ाई की जिसकी चढ़ाई आज तक नहीं की गई थी। इस चोटी पर जहां एक तरफ एक बार भी चढ़ाई नहीं की गई थी, वहीं दूसरी तरफ इस चोटी का आज तक कोई नाम भी नहीं रखा गया था। इसी के चलते चढ़ाई के बाद एनआईएमएएस ने चोटी का नाम छठे दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो के नाम पर रखने का फैसला किया, जिनका जन्म 1682 में तवांग में हुआ था। छठे दलाई लामा के नाम पर चोटी का नाम उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रखा गया, साथ ही उनके योगदान को याद करते हुए यह फैसला लिया गया। एनआईएमएएस, अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में मौजूद है, जोकि रक्षा मंत्रालय के अंदर काम करता है। छठे दलाई लामा के नाम पर चोटी का नाम उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रखा गया है। अरुणाचल प्रदेश में चोटी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखे जाने के बाद, पड़ोसी देश चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, "आप किस बारे में बात कर रहे मुझे इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे कहना चाहिए कि ज़ंगनान (भारत का अरुणाचल प्रदेश, जिसे जिसे चीन ज़ंगनान बुलाता है) का क्षेत्र चीनी क्षेत्र है और भारत के लिए चीनी क्षेत्र में "अरुणाचल प्रदेश" स्थापित करना अवैध और अमान्य है।

सुरक्षा परिषद को पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाने के लिए तुरंत सुधार की जरूरत, विदेश मंत्रालय का बयान

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को अधिक पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनने के लिए तत्काल सुधार की जरूरत है। तन्मय लाल ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम 'लीडरशिप फॉर पीस' के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दुनिया विनाशकारी सशस्त्र संघर्षों से जूझ रही है और यूएनएससी की मौजूदा प्रतिक्रिया अपर्याप्त है, जो इन संघर्षों को रोकने या हल करने में विफल रही है। तन्मय लाल ने कहा कि 'गंभीर सशस्त्र संघर्ष हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को प्रभावित कर रहे हैं और वर्तमान यूएनएससी ऐसे संघर्षों को समाप्त करने या रोकने, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से निपटने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में गंभीर रूप से विफल हो रही है।' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को आठ दशक पहले एक अलग युग में गठित किया गया था, उस वक्त आज के संयुक्त राष्ट्र के तीन-चौथाई सदस्य देश उपनिवेश थे, लेकिन अब समय बदल गया है, दुनिया आगे बढ़ गई है।

कट, कमीशन और भ्रष्टाचार... हरियाणा की रैली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज हो गया है। शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रेवाड़ी पहुंचे हुए थे। जहां, उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार कट, कमीशन और भ्रष्टाचार के आधार पर चलती थीं, जबकि डीलर, दलाल और दामाद राज करते थे। बीजेपी की सरकार में कोई डीलर या दलाल नहीं नहीं और दामाद का तो सवाल ही नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि यह मोदी सरकार ही है जिसने वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा किया। बीजेपी ने हरियाणा में एक समान विकास किया है। 10 साल में राज्य से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है।वन रैंक वन पेंशन की मांग को इंदिरा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक ने पूरी नहीं की, लेकिन आपने मोदी का प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने 2015 में इस मांग को पूरा कर दिया। कांग्रेस हमेशा सेना का अपमान करती है। इसी कांग्रेस ने सेना प्रमुख को गुंडा कहने का दुस्साहस किया था। इस पार्टी ने कभी सेना का सम्मान नहीं किया।

'रबी और खरीब फसल में अंतर जानते हैं?'

गृहमंत्री ने आगे कहा कि कुछ एनडीए ने राहुल बाबा से कहा है कि हरियाणा में उन्हें एमएसपी के नाम पर वोट मिलेंगे। क्या राहुल गांधी ये भी जानते हैं कि कौन सी रबी की फसल है और कौन सी खरीफ की फसल है। हरियाणा के कांग्रेस नेता बताएं कि कौन सा कांग्रेस शासित राज्य इतनी फसलें खरीद रहा है। किसान जो भी बोना चाहते हैं बो सकते हैं। यह बीजेपी सरकार ही है जो उनकी फसल को खरीदती है।

शाह बोले- कांग्रेस अग्निवीरों को लेकर अफवाह फैला रही

वहीं, अग्निवीरों के मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस यह गलतफहमी फैला रही है कि जिन लोगों को इसमें भर्ती किया गया है उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया जाएगा। मैं वादा करता हूं कि एक भी अग्निवीर जो सेना में शामिल नहीं होगा, पेंशन वाली नौकरी के बिना नहीं रहेगा, यह बीजेपी का वादा है। राहुल गांधी के पास अफवाह फैलाने के अलावा कोई और काम नहीं है।

'तीसरी पीढ़ी भी अनुच्छेद 370 नहीं ला सकती'

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इसे वापस लाना चाहती है। राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में कहा है कि वे अनुच्छेद 370 लाएंगे, लेकिन मैं कह रहा हूं कि आप ही नहीं, आपकी तीसरी पीढ़ी भी अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती है।

बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगी रिपोर्ट, पूछे ये 6 सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में संगठित तरीके से बच्चों की तस्करी के मुद्दे पर व्यापक सुनवाई करने का निर्णय लिया और केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस मामले में डेटा एकत्र करके एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

सर्वोच्च अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ याचिकाकर्ता संजय समेत अन्य की ओर से दायर याचिका पर यह आदेश दिया। जस्टिस हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को निम्नलिखित विवरण वाली एक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछे ये 6 सवाल

1। 2020 से यानी जब क्राइम मल्टी एजेंसी सेंटर (Cri-MAC) लॉन्च किया गया था, तब से प्रत्येक जिले/राज्य में कितने बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं?

2। पंजीकृत प्रकरणों में से कितने बच्चों को 4 माह की निर्धारित अवधि में बरामद किया जा चुका है और कितने बच्चों को बरामद किया जाना शेष है?

3। क्या प्रत्येक जिले में मानव तस्करी विरोधी इकाइयां स्थापित की गई हैं और यदि हां, तो संबंधित मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को कितने मामले सौंपे गए हैं।

4। लागू कानूनों के तहत मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को प्रदत्त शक्तियां क्या हैं?

5। प्रत्येक जिले/राज्य में बाल तस्करी के मामलों से संबंधित लंबित मुकदमों की संख्या।

6। गुमशुदा बच्चे की जांच में देरी या बरामदगी न होने के मामलों में संबंधित राज्य क्या कदम उठाने का इरादा रखते हैं, सहित वर्ष-वार डेटा प्रदान किया जाना चाहिए।

सर्वोच्च अदालत ने हाईकोर्ट के आदेशों को किया रद्द

सर्वोच्च अदालत ने हाईकोर्ट के उन आदेशों को रद्द करते हुए यह निर्देश जारी किए, जिसमें उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान राज्यों में फैले बाल तस्करी रैकेट में शामिल होने के छह आरोपियों को जमानत दी गई थी। विशेष रूप से जिन व्यक्तियों को जमानत दी गई थी, उन पर 4 वर्षीय लड़के के अपहरण का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ऐसे मामलों में शामिल मापदंडों पर विचार किए बिना आरोपी व्यक्तियों को जमानत दे दी थी।

भेड़ियों के आतंक पर अखिलेश का तंज, बोले- हर समस्या से इनकार करने वाली नाकाम बीजेपी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने उत्तर प्रदेश में मानव-पशु संघर्ष को रोकने में विफल रहने के लिए भाजपा सरकार पर एक फिर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "अभी तक तो कहानियों में सुना करते थे कि 'भेड़िया आया-भेड़िया आया' का झूठ फैलाया जाता था, लेकिन अब सच में भेड़िया आ रहा है, और प्रशासन उल्टी कहानी सुना रहा है कि यह झूठ है। प्रशासन कह रहा है, 'भेड़िया नहीं आया-भेड़िया नहीं आया'। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए लिखा, "जो हर समस्या से इंकार करे, वही है नाकाम भाजपा सरकार।"

सरकार से की मांग

इससे पहले अखिलेश यादव ने बहराइच में भेड़ियों के हमलों में मारे गए बच्चों के परिजनों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि वह भेड़ियों के हमलों से प्रभावित गांवों के पीड़ित परिवारों से मिलेंगे और समाजवादी पार्टी उन परिवारों को हरसंभव मदद मुहैया कराएगी। साथ ही उन्होंनें लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- बहराइच में ग्रामीणों और बच्चों पर हमला करने वाले भेड़ियों से निपटने के लिए सरकार को एक एसटीएफ की टीम बनाना चाहिए या फिर भेड़ियों का केस भी उसी एसटीएफ को ट्रांसफ कर देना चाहिए, जो लोग कहते हैं कि देखते ही ठोक दो, कम से कम इस एसटीएफ को यह नया काम देना चाहिए।

मौजूदा स्थिति

बहराइच की महसी तहसील के करीब 50 गांवों की 80 से अधिक आबादी इस समय भेड़ियों के आतंक से खौफ में जी रही है। लोग इतने डरे हुए हैं कि उन्होंने अपनी सुरक्षा का जिम्मा खुद उठा लिया है। हालांकि, प्रशासन ने इन गांवों की सुरक्षा के लिए विशेष टीम बनाई है, लेकिन गुरुवार की रात हरदी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर भेड़ियों ने फिर से हमला किया, जिसमें दो लोग घायल हो गए। अब तक भेड़ियों के हमलों में दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 41 लोग घायल हो चुके हैं।

रेल्वे का बड़ा ऐलान: दीपावली-छठ के लिए चलेंगी 10 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेन, 1 करोड़ यात्रियों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेन में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 10 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसके अलावा, सौ से ज्यादा ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाने का भी फैसला लिया गया है। रेलवे के इस फैसले से करीब एक करोड़ यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

वैष्णव ने शुक्रवार को जानकारी दी कि रेलवे ने दीपावली और छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारियां की हैं। रेलवे करीब 108 ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाने जा रही है, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को सफर करने का अवसर मिल सके।

'जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने आतंकवाद को नकारा', जेपी नड्डा बोले- बुलेट के बजाय बैलेट का रास्ता चुना

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण के चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जम्मू में प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर चुनाव के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि यह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें बूथ-कैप्चरिंग, गोलीबारी या आतंकवादी हमलों का कोई निशान नहीं था। उन्होंने कहा कि चुनाव देखने के लिए दुनिया भर के 16 देशों के राजदूत यहां आए थे। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब जम्मू-कश्मीर के लोग बुलेट के बजाय बैलेट की शक्ति को चुन रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं, जो इस बात का प्रतिबिंब हैं कि किस तरीके से जम्मू कश्मीर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्यार, विश्वास और उनकी नीतियों को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुआ है। इस चुनाव में पिछले चुनाव की भांति कोई हिंसा नहीं हुई, कोई बूथ कैप्चरिंग नहीं हुई और कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आपको जानकर खुशी होगी कि 16 देशों के एंबेसडर यहां का चुनाव देखने आए थे और उन्होंने देखा कि कैसे यहां की कानून व्यवस्था पर नियंत्रण और प्रजातंत्र में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और इस चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया।

इसके साथ ही नड्डा ने कहा कि मैं ये कह सकता हूं कि ये एक ऐतिहासिक इवेंट है, जब जम्मू कश्मीर के लोगों ने बुलेट को नकार कर बैलेट का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि जम्मू औसतन साल में 100 दिन बंद रहता था, पिछले पांच साल में जम्मू न बंद हुआ और न ही कोई हड़ताल हुई। जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने आतंकवाद को नकार दिया है। ये बहुत बड़ा परिवर्तन है। अनुच्छेद-370 के समाप्त होने से पहले यहां लगभग 300-400 आतंकवादी पैदा होते थे और उन्हें आतंकी घोषित किया जाता था और आज ये संख्या सिर्फ 4 है।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि चिंता की बात ये है कि जब युवाओं ने आतंक को नकार दिया, जब यहां के युवा शांति, स्थिरता और विकास की ओर चल पड़ा है, तो PDP, NC और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां आज उन लोगों का साथ दे रही हैं, जो देश के विरोध में काम करते हैं। उन्होंने दावा किया कि NC का घोषणा पत्र कहता है कि हम आतंकवादियों को जेल से रिहा करेंगे। हम LoC से ट्रेड शुरू करेंगे। इसके अलावा वे पाकिस्तान से वार्ता करने को भी बढ़ावा देता है। इसका सर्टिफिकेट पाकिस्तान का डिफेंस मिनिस्टर दे रहा है। जो कह रहा है कि भारत में NC और कांग्रेस हमारा एजेंडा चला रहे हैं।

सीएम सिद्धारमैया के इस्तीफे के सवाल पर बिफरे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, भाजपा को दी ये नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को एमयूडीए (MUDA) मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के इस्तीफे की बीजेपी की मांग पर सवाल उठाया और कहा कि इसी तर्क के आधार पर पीएम मोदी को उस समय इस्तीफा दे देना चाहिए था जब वे गुजरात के सीएम थे और जब उन पर गोधरा दंगों का आरोप लगाया गया था।

मैं दोषी नहीं हूं- भारतीय जनता पार्टी और जेडीएस ने कहा था कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में विशेष अदालत के आदेश के बाद सिद्दारमैया को पद छोड़ देना चाहिए। उनकी इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम सिद्दारमैया ने कहा कि मैं दोषी नहीं हूं और अपने पद से इस्तीफा नहीं दूंगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दी ये प्रतिक्रिया- जब गोधरा कांड हुआ, तो क्या पीएम मोदी ने इस्तीफा दे दिया था? उस समय उनके खिलाफ कई मामले थे। यहां तक कि अमित शाह के खिलाफ भी मामले थे। आप उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए किसी पर्टिकुलर आदमी को निशाना नहीं बना सकते। उनके (सिद्दारमैया) जरिए हमारी पार्टी को भी नुकसान होगा। उनकी रुचि कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुंचाने में है, न कि किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने में।"

बिना आप-कांग्रेस के पार्षदों के चुनाव, एमसीडी के इतिहास में पहली बार ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम में स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। एमसीडी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि इस चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस हिस्सा नहीं ले रही हैं। एमसीडी और कांग्रेस पार्षदों के बगैर यह चुनाव कराया जा रहा है।

एमसीडी के एडिशनल कमिश्नर आईएएस अधिकारी जितेंद्र यादव की अध्यक्षता में चुनाव हो रहा है, कमिश्नर ने मेयर और डिप्टी मेयर की अनुपस्थिति में पीठासीन अधिकारी बनाया है। एमसीडी की स्टेंडिंग कमेटी के सदस्य के चुनाव में बीजेपी ने आम आदमी पार्टी छोड़कर आए सुंदर सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने निर्मला कुमारी को उम्मीदवार बनाया था।

हालांकि आम आदमी पार्टी इस चुनाव को अवैध बताकर चुनाव में हिस्सा नहीं ले रही है। आम आदमी पार्टी और मेयर चुनाव के खिलाफ कोर्ट जा सकती है। दिल्ली की मेयर, डिप्टी मेयर भी सदन से नदारद हैं। रिटर्निंग अफसर आईएएस अधिकारी जितेंद्र यादव चुनाव करवा रहे हैं।

निगम सचिव ने सदन को बताया कि स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव के लिए सुंदर सिंह और निर्मला कुमारी का नामांकन प्राप्त हुआ। दोनों नामांकन वैध हैं। अगर कोई अपना नाम वापस लेना चाहते हैं तो नाम वापस ले सकते हैं। चुनाव के लिए कुल ढाई घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

आज होने वाला चुनाव असंवैधानिक और अवैध: एमसीडी

आम आदमी पार्टी ने पहले ही ऐलान कर दिया कि आज एमसीडी में होने वाले स्टेंडिंग कमेटी के सदस्य के चुनाव में वह हिस्सा नहीं लेंगी। मेयर ने कहा कि आज होने वाला चुनाव असंवैधानिक और अवैध है। इसको लेकर मेयर ने कमिश्नर को चिट्ठी लिखी है। मेयर 5 अक्टूबर को ही चुनाव कराएंगी। अगर आज चुनाव होते हैं तो आप कोर्ट जाने पर विचार करेगी। आम आदमी पार्टी ने कहा कि बीजेपी चुनाव में हार को पचा नहीं पा रही है और प्रशासन का गलत इस्तेमाल करके एमसीडी पर कब्जा करना चाहती है। इस चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के तीन पार्षदों ने बीजेपी का दामन थाम लिया था।

बता दें कि 18 सदस्यों वाली स्थायी समिति के एक खाली पड़े पद को भरने के लिए चुनाव हो रहा है, जो कि बीजेपी पार्षद कमलजीत सेहरावत के पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव जीत कर सांसद बनने के बाद इस्तीफा देने से खाली हुआ था।

'न तो मैं रिटायर हुआ हूं और न ही...: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एकबार फिर दोहराया कि "सीएम पद पर आखिरी फैसला कांग्रेस हाईकमान को करना है और वह मुझे स्वीकार्य होगा।" लेकिन उन्होंने साथ ही कहा है कि वे ना तो रिटायर हुए हैं और ना ही टायर्ड (थके) हुए हैं। हरियाणा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस को राज्य में भारी जनादेश मिलेगा। लोगों ने यह तय कर लिया है कि 'अबकी बार कांग्रेस की सरकार'।

टिकट बंटवारे और फिर कुमारी सैलजा के चुनाव प्रचार से कुछ समय के लिए दूर हो जाने के बाद कांग्रेस में खींचतान की चर्चा चल रही थी। हालांकि हुड्डा ने इनसे इनकार किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, "हरियाणा में कांग्रेस एकजुट है। सीएम पद के लिए एक से अधिक दावेदारी मिलने से पार्टी को और ताकत मिलेगी।" एकतरफ सीएम पद के लिए भूपेंद्र हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला तक का नाम चल रहा है तो वहीं भूपेंद्र हुड्डा के बेटे दीपेंद्र हुड्डा की भी चर्चा है। क्या दीपेंद्र सीएम पद की रेस में है? इस सवाल पर भूपेंद्र हुड्डा ने कहा, "मैं ना तो रिटायर हुआ हूं और ना ही थका हुआ हूं।" हुड्डा ने वोट कटने की संभावना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला होने से जनता वोट काटने वालों की तरफ नहीं जाएगी। भूपेंद्र हुड्डा आज (27 सितंबर) करनाल के इंद्री से रैली कर रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा के रोहतक जिले की गढ़ी सांपला किलोई सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देने से ही समाज स्वस्थ और सुखी होगा: केंद्रीय मंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के आबू रोड स्थित मुख्यालय शांतिवन के आनंद सरोवर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी ने किया। मीडिया विंग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण-मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए देशभर से एक हजार से अधिक प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, रेडियो और बेव जर्नलिज्म से जुड़े पत्रकार, संपादक, ब्यूरो चीफ, रेडियो जॉकी, फ्रीलांसर पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर पहुंचे हैं।

शुभारंभ पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। आज एक अच्छी न्यूज उतनी तेजी से वायरल नहीं होती है जितनी की एक गलत, फेंक न्यूज़ वायरल हो जाती है। पत्रकार पहले खबरों की सत्यता की जांच कर लें उसके बाद ही प्रकाशित करें। अच्छी खबरों को बढ़ावा देने से ही स्वस्थ और सुखी समाज का निर्माण होगा। आज समाज में यदि नकारात्मक माहौल बन रहा है तो हमें चिंतन करने की जरूरत है कि हम समाज में क्या भेज रहे हैं। मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण के लिए हमें जीवन में मूल्यों का समावेश करना होगा।

पत्रकार निजी जीवन में अध्यात्म को अपनाएं

उन्होंने कहा कि एक पत्रकार का मौलिक अधिकार है कि वह आध्यात्मिकता से जुड़े। मीडियाकर्मी अपने निजी जीवन में अध्यात्म को अपनाएं। एक पत्रकार गलत न्यूज़ से देश का माहौल बिगाड़ सकता है इसलिए पत्रकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सूचना देने के लिए मीडिया सबसे शक्तिशाली साधन है, जो दुनिया को खेल और संस्कृति आदि की जानकारी देता है। यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। मीडिया हिमालय से लेकर रेगिस्तान में जाकर सूचनाएं जुटाता है।

ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शांति के लिए कार्य कर रही है -

केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कार्य कर रही है। मैं पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय आया हूं। यहां आकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बहुत खुशी हो रही है। मैंने दादी रतन मोहिनी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। यहां की दिव्यता और पवित्र माहौल बहुत सुखदायी है।

मीडिया अपने उद्देश्य से भटक गया है-

डॉ. कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवम जनसंचार विश्विद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मान सिंह परमार ने कहा कि जब देश आजाद नहीं हुआ था तो मीडिया के सामने एक लक्ष्य, एक ध्येय, एक उद्देश्य था। लेकिन जब देश आजाद हो गया तो मीडिया के सामने एक चुनौती थी कि अब किस दिशा में आगे बढ़ा जाए। लेकिन आज व्यापारवाद के दौर में मीडिया अपने उद्देश्य से भटक गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है जो किसी भी रीति से समाज के लिए ठीक नहीं है। सोशल मीडिया ने हमें आजादी जरूर दी है लेकिन ऐसा लगता है कि कहीं सोशल मीडिया भस्मासुर न बन जाए। प्रेस काउंसिल बने वर्षों हो गए लेकिन आज तक हम एक आदर्श आचार संहिता लागू नहीं कर पाए हैं। नई दिल्ली दैनिक जागरण के एक्जीक्यूटिव एडिटर विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हम राष्ट्र और राष्ट्रीयता के स्तंभ हैं। हम सत्यनिष्ठ लोग हैं। लोकतंत्र में संरक्षण की जरूरत है लेकिन यदि मीडिया को नियंत्रीकरण किया जाएगा तो वह अपना अस्तित्व खो देगा। भारत का पत्रकार आध्यात्मिक ही होगा। दिल्ली के पीआईबी के पूर्व प्रिंसिपल डीजी कुलदीप सिंह ने कहा कि कई बार हम पत्रकारों को अपने सिद्धांतों के साथ समझौता करना पड़ता है। लेकिन हमें अपने मूल्यों को कायम रखना होगा।

अश्लील सामग्री मुक्त मीडिया बनाना होगा

आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हम सभी पत्रकारों को अभियान चलाना चाहिए कि अश्लील सामग्री मुक्त समाज बने। हमें अश्लील कंटेंट को प्रचारित और प्रसारित करना बंद करना होगा। एक-एक व्यक्ति सूचना का राजदूत है। ब्रह्माकुमारीज़ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए कार्य कर रही है। ये ब्रह्माकुमार भाई-बहनें त्याग की मूर्ति हैं। दुनिया के बेहतर अखबारों को टक्कर देने वाले अखबार आज हमारे देश में निकल रहे हैं। आज मीडिया का भारतीयकरण करने की जरूरत है। आज हम जिस मीडिया की तर्ज पर कार्य कर रहें हैं, वह पाश्चात्य मीडिया की शैली है। हमारे यहां तो लोक मंगल की भावना को लेकर कार्य करने की परंपरा रही है। हमें संवाद की परंपरा की ओर फिर से बढ़ने की जरूरत है। हम जगतगुरु की बात कर रहे हैं लेकिन कोई शिष्य बनने के लिए तैयार है।

इन्होंने भी व्यक्त किए अपने विचार

- अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई ने कहा कि तीनों कालों की न्यूज़ परमात्मा के पास है। सबसे बड़ा सत्य है कि हम सभी एक आत्मा हैं। जब हम खुद को आत्मा मानेंगे, तभी काम विकार पर विजय पा सकेंगे।

- मीडिया निदेशक राजयोगी बीके करुणा भाई ने कहा कि मीडिया विंग पत्रकारों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए कार्य कर रहा है। हमारा मकसद है पत्रकारों के जीवन में आध्यात्मिक समावेश से समाज को सुखी संपन्न बनाने की ओर ले जाना।

- जयपुर सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने कहा कि राजयोग को जीवन में शामिल करने से सारे रोग खत्म हो जाते हैं। आपने राजयोग मेडिटेशन से सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

- शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्ष राजयोगिनी बीके शीलू दीदी ने कहा कि आंतरिक सशक्तिकरण से ही स्वस्थ और सुखी होगा। समाज समृद्ध शाली होगा।

- विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला आनंद बहन ने कहा कि बिना अध्यात्म के स्वस्थ समाज की परिकल्पना नही की जा सकती है। इस कार्य में मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है।

- स्वागत भाषण मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतानु भाई ने दिया। स्वागत नृत्य बेंगलुरु से आए सुप्रीम शिव शक्ति सांस्कृतिक अकादमी के बच्चों ने पेश किया। संचालन जयपुर की जोनल संयोजिका चंद्रकला दीदी ने किया।

जिलाधिकारी ने मण्डलीय चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मण्डलीय जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय के पीछे कूड़ा फैला देख नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि कूड़े को चिन्हित स्थलों पर ही एकत्रित किया जाए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पहुंचकर रजिस्ट्रेशन करा रहे मरीजो से वार्ता की एक मरीज के द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि ओपीडी में डाक्टर को दिखाना है जिस पर उनके द्वारा मरीज के साथ स्वंय शिशु बाल रोग विशेषज्ञ ओपीडी पहुंचकर डाक्टर द्वारा लिखी जा रही दवाईयों की जानकारी प्राप्त की गयी, जिलाधिकारी के पूछे जाने पर बताया गया कि बच्चों के लिए एक ही ओपीडी चल रही है जिसमें डाक्टर राजेश सिंह सहायक प्रोफेसर नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ के द्वारा उपचार किया जाता हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि बच्चों हेतु एक कक्ष मे और ओपीडी संचालन कराते हुए बैठने हेतु व्यवस्था कराई जाए। निरीक्षण के दौरान सीढ़ियों पर लगी खिड़कियों पर अत्यधिक गंदगी देख कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए साफ सफाई कराने निर्देश दिया। उन्होंने वाहन पार्किंग को चिकित्सालय परिसर के पीछे स्थापित करने एवं आगे के स्थल की साफ सफाई व गड्ढों को समतल कराने का निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक दिया। उन्होंने मुख्य अधीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि ओपीडी में चिकित्सको के समस्त कक्षो की संख्या सहित सम्पूर्ण विवरण के साथ बोर्ड पर अंकित कर रजिस्ट्रेशन काउंटर के समीन लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने इमरजेंसी एवं ट्रामा सेंटर के मध्य से सी0सी0यू0 के पास से होकर पीछे जाने वाली रोड की मरम्मत करवाने के लिए निर्देश दिया। जिलाधिकारी दवा काउंटर पर जाकर दवाईयों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तो वहीं पर दवा ले रहे एक मरीज के तीमारदार से वार्ता की गयी उसके द्वारा बताया गया कि कुछ दवाईयां अस्पताल से मिली है और शेष दवा डाक्टर द्वारा जनता मेडिकल स्टोर से लेने के लिए कहा गया है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्वंय मरीज के तीमारदार के साथ जनता मेडिकल स्टोर पहुंचकर दवाईयों के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात पुनः जिलाधिकारी द्वारा दवाई काउंटर पर आकर मरीज को दवाई उपलब्ध कराया गया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि भविष्य में डाक्टरों द्वारा यदि बाहर से दवा लिखी जाती है सम्बन्धित डाक्टर के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि दवा पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय स्तर पर नियमानुसार दवाईयां क्रय की जाएं। जिलाधिकारी द्वारा दवा काउंटर पर कार्यरत राममूरत सिंह चीफ फार्मासिस्ट से इंडेक्स मांगने पर नहीं दिखाया गया, चीफ फार्मासिस्ट के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने नेत्र विभाग में पहुंचकर डाक्टरों से आने रहे मरीजो के बारे में जानकारी ली गयी उनके द्वारा बताया गया कि 45 मरीजो द्वारा नेत्र परीक्षण कराया गया हैं। जिलाधिकारी ने सिटी स्कैन मशीन के बारे में जानकारी ली मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि कतिपय तकनीकी कारणों से संचालन प्रारम्भ नही हो सका है, जिस पर उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि जो भी कमियां उन्हें दूर कराते हुए संचालन प्रारम्भ कराए जिससे आने वाले मरीजो सिटी स्कैन के लिए बाहर न जाना पड़ें।

तेज हवा के साथ हुई बरसात से किसानों की फसल हुई चौपट

सोहावल-अयोध्या। क्षेत्र में झमाझम हुई बारिश से जहां एक तरफ लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिल गई तो दूसरी तरफ तेज हवा के साथ हुई वरसात से कई किसानों की धान व गन्ना की फसल खेत में धराशायी हो गई है।क्षेत्र में सिंचाई के साधन पर आश्रित किसान कम वरसात के कारण सूखे की मार झेलते हुए निजी व भाड़े के साधनों से किसी तरह से फसल अपनी फसल को तैयार किया था। अचानक तेज हवा के साथ हुई वरसात ने उसके सपनों को धूलधूसरित कर दिया है।इस वरसात से हुए नुकसान का जायजा लेते समय सोहावल के मगलसी गांव के प्रगतिशील किसान राम सिंह ने बताया कि इस वरसात से किसान पूरी तरह तबाह हो गया है। जिन किसानों के खेत में मूली करेला तरोई लौकी,कद्दू की फसल लगी थी। तेज हवा के कारण गिर गई और पानी मे पुरी तरह डूब गई।उन्होंने बताया कि वरसात कम होने के कारण निजी साधन से सिंचाई करके तैयार किया गया था।

मध्यप्रदेश का प्राणपुर, साबरवानी और लाडपुरा खास बना देश का 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

भोपाल। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की सर्वश्रेष्ठ ग्राम पर्यटन प्रतियोगिता में एक बार फिर मध्यप्रदेश ने अपना परचम लहराया है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के मौके पर मध्यप्रदेश के प्राणपुर, साबरवानी और लाडपुरा खास को देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम घोषित किया गया है। प्राणपुर को क्राफ्ट श्रेणी और साबरवानी व लाडपुरा खास को रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म श्रेणी में चुना गया है। शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुए समारोह में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने ग्रामीण प्रतिनिधियों के साथ यह सम्मान ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा सांस्कृतिक व प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखते हुए समुदाय आधारित मूल्यों व जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। देशभर से कुल 900 गांवों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी, जिसमें से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के लिये विभिन्न श्रेणियों में 36 गांवों का चयन किया गया।

प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि ₹हमें गर्व है कि प्रदेश के प्राणपुर, साबरवानी, और लाडपुरा खास ग्राम को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता में चयनित किया गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इन गांवों में न केवल स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण किया गया है, बल्कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास भी किए गए हैं। हम इस पहल को और आगे बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प हैं, ताकि राज्य के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों को भी पर्यटन मानचित्र पर उचित स्थान मिल सके।'

विश्व स्तरीय पहचान मिलेगी

अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में सम्मानित होने से प्राणपुर, साबरवानी व लाडपुरा खास को विश्व स्तरीय पहचान मिलेगी। देशी-विदेशी पर्यटकों के आगमन में बढ़ोतरी होगी, जिससे यहां स्थानीय रोजगार बढ़ेगा व गांव की अर्थव्यवस्था का विकास होगा। गांवों में प्राचीन कला, शिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों तक यह धरोहर सुरक्षित रहेगी। उल्लेखनीय है कि, 2023 में पन्ना जिले का मडला एवं सीधी जिले का खोखरा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम घोषित किया था।

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम से सम्मानित ग्रामों का संक्षिप्त विवरण

प्राणपुर : जिला अशोकनगर की तहसील चंदेरी से 4 कि.मी. दूर प्राणपुर को देश के पहले क्राफ्ट हैंडलूम टूरिज्म विलेज के रूप में विकसित किया गया है। यहां बनुकरों के लगभग 243 घरों में हथकरघा बुनाई का कार्य किया जाता है, गांव में लगभग 550 हाथकरघों पर लगभग 900 बुनकर चन्देरी वस्त्रों की बुनाई करते हैं। 06 मार्च 2024 को म.प्र. के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिन्धिया द्वारा परियोजना का शुभारंभ किया गया था।

साबरवानी : छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील में बसा सबरवानी गांव समृद्ध गोंड जनजातीय संस्कृति को दर्शाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से घिरा यह गांव शांत वातावरण, पक्षियों की प्रचुर प्रजातियां और मनोरम परिदृश्यों से भरा हुआ है। यहां टूरिज्म बोर्ड द्वारा नौ होमस्टे तैयार किये जा चुके हैं। विलेज वॉक, प्राकृतिक खेती, बैलगाड़ी की सवारी, मछली पकड़ना, पक्षी देखना, साइकिल चलाना, स्टारगेजिंग जैसी गतिविधियों का आनंद लेते हैं। मक्के की रोटी, चने की भाजी और चना दाल जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ़ उठाते हैं।

लाडपुरा खास : निवाड़ी जिले में ओरछा से 8 किलोमीटर दूर स्थित लाडपुरा खास को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के तहत पहले ग्रामीण पर्यटन गांव होने का गौरव प्राप्त है। बुंदेलखंड सांस्कृतिक क्षेत्र के केंद्र में बसा लाडपुरा खास मेहमानों को बेहतरीन बुंदेली संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। मनमोहक परिदृश्यों, वादियों, कृषि क्षेत्रों और ग्रामीण जीवन से घिरा लाडपुरा खास प्रकृति के सुरम्य नजारों से भरपूर है। स्थानीय वास्तुकला में निर्मित और हाथ से बनाई गई दीवार पेंटिंग से सजे होमस्टे, लाडपुरा खास के आकर्षण हैं।

संभल का नगर पालिका ही निकला 'बिजली चोर', छापेमारी में अधिकारियों के यहां ही पकड़ी चोरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी चंदोसी पर बिजली चोरी का आरोप लगा है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने अधिशासी अधिकारी के आवास और कैंप कार्यालय पर छापेमारी के दौरान बिजली की चोरी पकड़ी है। अब बिजली विभाग ने चोरी के आरोप में अधिशासी अधिकारी के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है। विभाग में बिजली विभाग की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

पूरा मामला जिले के चंदौसी कोतवाली इलाके के फव्वारा चौक का है। गुरुवार को विभाग की ओर से बिजली चोरी को लेकर कार्रवाई की गई। एसडीओ अजय शुक्ला के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने चंदौसी नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर के आवास और कैंप कार्यालय पर छापा मारा। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान अधिशासी अधिकारी को आवास में चोरी की लाइट जलाते रंगे हाथों पकड़ा गया है।

रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद बिजली विभाग की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। अधिशासी अधिकारी के आवास की लाइन को बिजली विभाग की टीम ने करीब 8 महीने पहले बिजली बकाया होने पर काट दिया था। ऐसे में मीटर कटा होने के बाद अधिशासी अधिकारी के आवास पर खंभे से सीधी बिजली जलाई जा रही थी। इस मामले को बिजली विभाग ने बिजली चोरी का मामला माना है। इस मामले में एसडीओ अजय शुक्ला ने बताया कि यह सरासर बिजली की चोरी है और अब इस मामले में बिजली विभाग की ओर से मुकदमा लिखवाने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगर पालिका चंदौसी के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।

बिजली विभाग ने की छापेमारी

वहीं पूरे मामले पर एसडीओ अजय शुक्ला ने बताया कि नगर पालिका चंदौसी के अधिशासी अधिकारी के निवास पर जब बिजली विभाग ने छापेमारी की है तो वहां पर एक तार अलग से चल रहा था जिससे कार्यालय और आवास पर बिजली चोरी चल रही थी। फिलहाल कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मुकदमा दर्ज किया जाएगा। छह महीने पहले इन पर काफी तादाद में बिल था जिसकी वजह से लाइन काटी गई थी। अधिशासी अधिकारी पर अब बिजली विभाग मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रहा है।

टीबी अस्पताल परिसर में बरसात का पानी बना आफत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। बीती रात से लगातार हो रही बारिश ने रौद्ररूप धारण कर रखा है, शहर के कई मोहल्ले बारिश के चपेट में इस कदर आ गए है कि उनके घरों में पानी भर गया है, यहा तक कि आने-जाने का रास्ता डूब गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई घरों के गिरने की भी खबर है, वही दूसरी तरफ मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय अमहट के बगल टीबी अस्पताल है, जहां का नजारा देखने लायक है, पूरा अस्पताल तालाब की शक्ल अख्तियार कर चुका है। टीबी अस्पताल परिसर में लबालब भरे पानी में सॉप और जोक देखे जा रहे है, परिसर में बने आवास में भी पानी घुस गया है। वहां रहने वाले कर्मियों की बाईक व बाहर रखे समान गंदे पानी के हवाले हो चुका है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी क्षयरोगियों और अस्पताल कर्मियों को उठानी पड़ रही है, मरीजों को घुटने भर पानी में चलकर अस्पताल के अंदर दवा और जांच के लिए जाना पड़ रहा है, तो वही टीबी अस्पताल के कर्मचारियों का संक्रमित पानी में चलकर आना-जाना हो रहा है। इस समस्या से कैसे निजात मिलेगी इसका पता नही। डीटीओ व अन्य कर्मचारी बस असहाय से दिखाई दे रहे है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर क्यों महंगा किया गया टोल टैक्स? किसके पास जाएगा पैसा, 2012 से 2024 तक की कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिए ग्रेटर नोएडा से आगरा तक का सफर अब महंगा होने वाला है। यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) ने गुरुवार को 12 फीसदी टोल टैक्स बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। नोएडा से आगरा तक का सफर आसान बनाने वाले इस एक्सप्रेस-वे से रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। जाहिर है इस वृद्धि का असर आम लोगों की जेब को हल्का कर देगा।

साल 2003 में यमुना एक्सप्रेस-वे को बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, इसके करीब 9 साल बाद साल 2012 में यह बनकर तैयार हुआ। इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लोगों को ग्रेटर नोएडा से आगरा तक के सफर में समय की अच्छी बचत हुई। जहां पहले इस सफर में करीब 4 घंटे लगते थे वहीं यमुना एक्सप्रेस-वे के चलते यह समय लगभग आधा हो गया है। इसका निर्माण यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने किया था, जिसका ठेका जेपी ग्रुप को दिया गया था, लेकिन जेपी ग्रुप के कर्ज में डूबने के चलते इसे मुंबई आधारित सुरक्षा ग्रुप ने टेकओवर कर लिया।

टोल टैक्स में 12 फीसदी वृद्धि

टोल टैक्स में की गई बढ़ोत्तरी 1 अक्टूबर से लागू होगी। यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिए सफर करने वाले दो पहिया वाहनों, थ्री व्हीलर्स और पंजीकृत ट्रैक्टर्स को अब 1.50 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स देना होगा, जो पहले 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर था। इसी तरह कार, जीप और हल्के वाहनों को 2.95 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स देना होगा जो पहले 2.16 रुपये प्रति किलोमीटर था।

1 अक्टूबर से यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले बसों और ट्रकों को अब 4.60 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स देना होगा, जबकि पहले यह 4.15 रुपये प्रति किलोमीटर था, भारी वाहनों को 14.25 रुपये प्रति किलोमीटर और ओवरसाइज्ड वाहनों को 18.35 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स चुकाना होगा।

2012 से 2024 तक की कहानी जानिए

165 किलोमीटर लंबा यमुना एक्सप्रेस-वे ग्रेटर नोएडा से आगरा को जोड़ता है। साल 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार में यह एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हुआ था। तब तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव ने इसके डेवलपर (जेपी इंफ्राटेक) को कहा था कि वह नोएडा से ग्रेटर नोएडा लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए कोई चार्ज नहीं वसूलेंगे जिसके लिए जेपी ग्रुप राजी हो गया।

इस एक्सप्रेस-वे को विकसित करने के साथ-साथ जेपी ग्रुप को इसके आस-पास 5 स्थानों पर 500 हेक्टेयर जमीन पर इंटीग्रेडेट टाउनशिप बनाने को कहा गया था, जिससे एक्सप्रेस-वे के आस-पास लोग रह सकें।

साल 2012 से 2015 तक इसके टोल टैक्स में सालाना वृद्धि की मंजूरी राज्य सरकार देती थी। लेकिन साल 2015 में सरकार ने इसके लिए येडा को निर्देशित कर दिया। येडा के मुताबिक गुरुवार को हुई बोर्ड मीटिंग में एक्सप्रेस-वे का टोल-टैक्स बढ़ाने की मंजूरी इसलिए दी गई है जिससे ऑपरेटर रोजाना एक करोड़ रुपए इससे जुटा सकें।

किसकी जेब में जाएगा टोल-टैक्स का पैसा?

येडा का कहना है कि टोल-टैक्स में वृद्धि 3 साल बाद की गई है। एक ही बार में 12 फीसदी टोल टैक्स बढ़ाने पर येडा का कहना है कि साल 2021-22 से जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की ओर से टोल-टैक्स बढ़ाने की मांग की जा रही थी, लेकिन जनता को फायदा पहुंचाने के लिए हमने 3 साल तक टोल-टैक्स नहीं बढ़ाया। लेकिन अब जबकि मुंबई आधारित सुरक्षा ग्रुप के साथ किए गए अनुबंध के चलते हमें टोल टैक्स में वृद्धि को मंजूरी देनी पड़ी है। दरअसल यमुना एक्सप्रेस-वे का निर्माण करने वाली जेपी इंफ्राटेक कर्ज में डूब चुकी थी, इसके बाद मुंबई के सुरक्षा ग्रुप ने इसी साल जून में इसे टेकओवर कर लिया। वर्तमान में यमुना एक्सप्रेस पर टोल टैक्स कलेक्शन और उसका प्रबंधन सुरक्षा ग्रुप ही कर रहा है। हालांकि ग्रुप ने इस पूरे मामले में किसी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

टोल-टैक्स बढ़ाने की ये है वजह?

वहीं येडा के CEO अरुण वीर सिंह का कहना है कि सुरक्षा ग्रुप रुके हुए जेपी अपार्टमेंट का निर्माण तभी करेगी जब हम सालाना टोल वृद्धि लागू करेंगे।दरअसल कर्ज में डूब चुकी जेपी इंफ्राटेक ने जब साल 2012 में यमुना एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया था तब उसे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 30 हजार अपार्टमेंट बनाने के लिए भी जमीन दी गई थी। वहीं लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इसी साल जून में सुरक्षा ग्रुप ने यह सारी संपत्ति टेकओवर कर ली है। लेकिन येडा के मुताबिक सुरक्षा ग्रुप ने इस टेकओवर को लेकर जो सबसे प्रमुख शर्त रखी थी वह थी सालाना टोल टैक्स में वृद्धि को लागू करना।

सुरक्षा ग्रुप ने वद्धि की मांग की थी-येडा

येडा का कहना है कि हाल ही में टोल ऑपरेटर (सुरक्षा ग्रुप) ने एक्सप्रेस-वे के संचालन हुए घाटे का हवाला देते हुए एक पत्र लिखकर उनसे टोल टैक्स बढ़ाने की मांग की थी। येडा के CEO अरुण वीर सिंह के मुताबिक अगर इस टोल वृद्धि को 3 साल में बांटे तो 2021 से अब तक यह प्रति वर्ष 4 फीसदी होगा। उन्होंने बताया कि अथॉरिटी बोर्ड ने सुरक्षा ग्रुप को ट्रैफिक फोरकास्ट और वर्तमान व्हीकल प्रेशर की एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है, जिससे यह तय किया जा सके कि ऑपरेटर इस एक्सप्रेस-वे से कितना टोल-टैक्स वसूल सकते हैं।

2012 में कितना था टोल-टैक्स?

साल 2012 में यमुना एक्सप्रेस-वे पर टोल-टैक्स की दरें वर्तमान दरों से काफी कम थीं। उस समय कार-जीप के लिए 2.10 रुपये प्रति किलोमीटर, मिनी बस के लिए 3.23 रुपये प्रति किलोमीटर, बसों और ट्रकों के लिए 6.60 रुपये प्रति किलोमीटर और भारी वाहनों के लिए 10.10 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स वसूला जाता था।

इसके अलावा दो पहिया वाहनों के लिए ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 150 रुपये तो वहीं राउंड ट्रिप के लिए 240 रुपये टोल टैक्स लिया जाता था। एक अनुमान के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे से रोजाना करीब 35 हजार वाहन गुजरते हैं, वहीं वीकेंड में यह आंकड़ा 50 हजार के आस-पास भी पहुंच जाता है। ऐसे में यह वृद्धि हजारों लोगों की जेब को हल्का कर देगी।

आज दुनियाभर के पर्यटकों को लुभा रहा यूपी: योगी आदित्यनाथ

कहा, भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल है उत्तर प्रदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यटन दिवस पर प्रदेशवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है। बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए। यूपी धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। सीएम योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

विरासत और विकास का बेहतरीन समन्वय है पर्यटन

उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष यूपी में 46 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी के अलग अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के साइट्स का भ्रमण किया है। ये पर्यटक यूपी के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। स्पिरिच्युअल टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पयर्टकों को आकर्षित कर रहे हैं। अयोध्या, वृंदावन, गोकुल, बरसाना ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया है।

सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आज यूपी अपनी बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। रोड, रेल, वाटर और एयर कनेक्टिविटी हमारे पास मौजूद है। आज हम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर झांसी में समारोह से जुड़ रहे हैं, तो वहीं 2025 में मकर संक्रांति से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में भी दुनियाभर के 40 करोड़ श्रद्धालु भाग लेकर यूपी की इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के प्रति पूरे विश्व को आकर्षित करेंगे। सीएम योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि पीएम मोदी के विजन के अनुरूप देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने और यूपी को एक बेहतरीन टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार कामयाब होगी।

महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन

उन्होंने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से यूपी में अनेक संभावनाएं हैं। अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे ही हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो झांसी में लक्ष्मीबाई का किला, बांदा में कालिंजर का किला, आगरा का लालकिला और रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज का किला, रामनगर वाराणसी का किला, मिर्जापुर में चुनार किला और लखनऊ का इमामबाड़ा के रूप में एक लंबी परंपरा है। ईको टूरिज्म का तो यूपी हब ही है। चाहे दुधवा हो, चूका हो, कतर्नियाघाट, हस्थिनापुर, सूर्य सरोवर, सोनभद्र का सलखन, ओखला बर्ड सेंचुरी हो।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 1000 नई दुग्ध समितियों का गठन किया जाए

» **किसानों के दुग्ध मूल्य का भुगतान में किसी भी दशा में विलम्ब न हो**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाये जाने के लिए 1000 नई दुग्ध समितियों के गठन करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को एक नई दिशा देने के लिए आवश्यक है कि समितियों की संख्या निरन्तर बढ़ाकर उन्हें मजबूत किया जाए। अक्रियाशील समितियों को क्रियाशील कर संचालित किया जाए। सिंह ने कहा कि किसानों एवं पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जाए और किसी भी दशा में विलम्ब न होने पाये।

दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विगत 06 माह में विभिन्न योजनाओं में आवंटित बजट व व्यय के विवरण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाये जाने, एनडीडीबी को दिये गये संस्थानों एवं समितियों के संचालन की गहन समीक्षा की। सिंह ने कहा कि माह फरवरी, 2025 तक बजट का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए और अधिकारी सभी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवंटित धनराशि को ससमय व्यय करे। किसानों को उनके दुग्ध मूल्य भुगतान प्रति सप्ताह किये जाने के संबंध में दुग्ध संघ वाराणसी, गोण्डा, झांसी, फिरोजाबाद, अयोध्या, बरेली एवं मथुरा को भुगतान किये जाने पर सिंह ने संतोष व्यक्त किया और शेष दुग्ध संघों को यथाशीघ्र भुगतान किये जाने के निर्देश दिये।

दुग्ध विकास मंत्री ने कहा कि किसानों एवं पशुपालकों का हित राज्य सरकार की प्राथमिकता में है और इन कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाए। एनआरएलएम, बैंक ऋण से पशुपालन कर रहे लाभार्थियों को दुग्ध समितियों से जोड़ा जाए और इसमें महिला कृषकों को विशेष रूप से सम्मिलित किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में 18108 निबंधित समितियां हैं, जिसके सापेक्ष 6,849 कार्यरत समितियां हैं। बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के0 रवीन्द्र नायक ने मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसानों एवं पशुपालकों को दुग्ध मूल्य का भुगतान में कोई विलम्ब नहीं किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को समितियों की संख्या बढ़ाये जाने के संबंध में पूर्ण गंभीरता एवं तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में दुग्ध विकास विभाग के विशेष सचिव राम सहाय यादव, पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक आनंद कुमार सिंह, पीसीडीएफ के डा0 मनोज तिवारी, डा0 राम सागर सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एससी-एसटी संवर्ग की बलात्कार, हत्या और सामूहिक बलात्कार पीड़िताओं को योगी सरकार ने प्रदान की सहायता

योगी सरकार ने पीड़ित एससी/एसटी परिवारों के लिए आवंटित किए 1400 करोड़ से अधिक रुपये

» **उत्तर प्रदेश में एससी/एसटी पीड़ितों को 85,000 रुपये से लेकर 8.25 लाख रुपये तक की दी**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। योगी सरकार ने हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की पीड़िताओं को साढ़े सात वर्ष में 1447 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी है। यह सहायता अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) और नागरिक अधिकार संरक्षण (पीसीआर) अधिनियम के तहत प्रदान की जाती है। अपराध की गंभीरता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों और उनके परिवारों को जरूरत पर सरकार की तरफ से मदद मिले। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार यह सहायता 85,000 रुपये से 8.25 लाख रुपये तक होती है।

पीड़ितों को समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करती है प्रदेश सरकार

समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें सहायता मिल सके। इस पहल के तहत सरकार यह सुनिश्चित करती है कि परिवारों को जांच और परीक्षण के महत्वपूर्ण बिंदुओं के आधार पर आवश्यक सहायता मिले।

जनपद स्तर पर जिलाधिकारी व तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में गठित है समिति

विभिन्न अपराधों से पीड़ित एससी-एसटी की महिलाओं को न्याय मिले। इसके लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सतर्कता व मॉनीटरिंग समिति कार्य करती है, जबकि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की व्यवस्था की गई है।

अपराध की प्रकृति के आधार पर निर्धारित की जाती है सहायता

हत्या या अत्याचार के कारण मृत्यु होने पर परिजनों को 8.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलती है। इसमें मुआवजा दो चरणों में वितरित किया जाता है। 50 प्रतिशत राशि पोस्टमार्टम के तुरंत बाद और शेष 50 प्रतिशत औपचारिक रूप से अदालत में चार्जशीट जमा होने के बाद प्रदान की जाती है। बलात्कार या सामूहिक बलात्कार (धारा 375, भारतीय दंड संहिता) के मामले में, पीड़ित 5.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के हकदार हैं। कानूनी प्रक्रिया के दौरान यह सहायता चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जाती है। कुल 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट की पुष्टि के बाद दी जाती है, 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है और अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने के बाद दी जाती है। धारा 376 घ के तहत सामूहिक बलात्कार की पीड़िता को राज्य सरकार 8.25 लाख रुपये प्रदान करती है। इसमें 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट के सत्यापन के बाद दी जाती है। 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है। अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने पर दी जाती है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में विजिटर्स को हो रहे 'रामायण दर्शन', एआई से सृजित किए गए रामायण के अद्भुत प्रसंग

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ। सनातन धर्म में मान्यता है कि भगवान हर कहीं हैं। वो सर्वत्र हैं, कण-कण में हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि प्रदेश में कोई आयोजन हो और भगवान राम वहां न हों। ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित किए जा रहे 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' के द्वितीय संस्करण (यूपीआईटीएस 2024) में भी 'विश्व की सनातन संस्कृति के प्राण' प्रभु श्रीराम और उनकी नगरी अयोध्या को सृजित किया गया है और वो भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से। एआई रामायण दर्शन के नाम से एक पवेलियन को यहां स्थापित किया गया है, जिसमें सभी इमेजेस को एआई की मदद से जेनरेट किया गया है। इस पवेलियन में अयोध्या को उसके पुरातन वैभव की कल्पना के अनुरूप वास्तविक छवि में प्रस्तुत किया गया है तो भगवान राम के जीवनकाल से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को भी भव्य तरीके से दर्शाया गया है। इस मनोरम पवेलियन में इन सभी छवियों के बीच बैकग्राउंड में बजता राम सिया राम का म्यूजिक इसकी आभा को और निखार रहा है तो वहीं यह लोगों की आस्था और आकर्षण का केंद्र भी बना हुआ है।

आध्यात्म और आधुनिकता का अद्भुत संगम

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग की तरफ से 'रामायण दर्शन' नाम के स्टॉल को स्थापित किया गया है। यह एआई जेनरेटेड रामायण है, जिसमें भगवान श्री राम के जीवन चरित्र के सभी प्रमुख प्रसंगों की झलक विजिटर्स को देखने को मिल रही है। जिन प्रसंगों को यहां पर दिखाया गया है उसमें भगवान श्रीराम द्वारा भाइयों के साथ गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण, सीता स्वयंवर, वनवास, सीता हरण, लंका दहन और रावण वध प्रमुख रूप से शामिल हैं। एआई के माध्यम से निर्मित छवियों में रामायण के सभी पात्रों में सादगी और वैभव, वास्तविकता और विरासत तथा अध्यात्म व आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि यूपीआईटीएस में हर जगह इस प्रदर्शनी की चर्चा हो रही है। यही नहीं, देशी और विदेशी विजिटर्स का यहां आना जाना लगा हुआ है। विजिटर्स का कहना है कि प्रदर्शनी को देखकर उन्हें सुकून महसूस होता है और पूरा माहौल राममय हो जाता है। लोग यहां पर आकर सेल्फी भी ले रहे हैं और संपूर्ण रामायण का साक्षात्कार कर प्रभु श्रीराम के प्रेरक प्रसंगों की छवि को खुद में आत्मसात कर रहे हैं।

चारागाह की भूमि को कब्जामुक्त कराकर हरा चारा उत्पादन किया जाये : धर्मपाल सिंह

» **पशुधन मंत्री ने विभाग के विगत 06 माह की योजनाओं एवं बजट व्यय की समीक्षा की**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विगत 06 माह में विभिन्न योजनाओं की अद्तन प्रगति, आवंटित बजट व व्यय विवरण की गहन समीक्षा की। सिंह ने विभाग द्वारा 52 प्रतिशत बजट का उपयोग करने की स्थिति से अवगत होते हुए अधिकारियों को माह फरवरी, 2025 तक शत-प्रतिशत बजट के सदुपयोग करने के सख्त निर्देश दिये। सिंह ने कहा कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवंटित धनराशि को ससमय व्यय किया जाए और गोशालाओं हेतु आवंटित धनराशि प्रतिमाह दी जाए और गोसंरक्षण कार्यों में धनराशि के अभाव में किसी प्रकार का विलम्ब न होने पाए।

धर्मपाल सिंह ने निर्देश दिये कि पशुओं हेतु उपलब्ध करायी जाने वाली दवाओं और वैक्सीन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और इसमें किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। पशुओं के उत्तम स्वास्थ्य और पौष्टिक चारे के आधार पर ही कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों को पूर्ण और सफल बनाया जा सकता है। मण्डल एवं जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले पशु मेलों को और अधिक उपयोगी व सार्थक बनाया जाए। किसानों और अच्छे पशुपालकों को प्रोत्साहित भी किया जाए। गोआश्रय स्थल में साफ-सफाई की उत्तम व्यवस्था की जाए। वर्तमान में प्रदेश में 7558 गोआश्रय स्थलों पर 12,01,238 गोवंश का संरक्षण किया गया है। विभिन्न जनपदों से निराश्रित गोवंश के संबंध में प्राप्त शिकायतों के संबंध में निर्देशित किया कि छुट्टा गोवंशों को गोआश्रय स्थलों पर भेजा जाए और प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट मुख्यालय मंगाई जाए। नवीन और निर्माणाधीन गोआश्रय स्थलों के निर्माण कार्य में तेजी लाकर उन्हें शीघ्र क्रियाशील किया जाये। हर गौशाला में चारे भूसे की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। सभी मुख्य पशुचिकित्साधिकारी स्थानीय प्रशासन के सहयोग से चारागाह की भूमि को कब्जा मुक्त करायें और कब्जामुक्त भूमि पर बरसीन, जैई आदि गोवंश हेतु उपयोगी चारा बोआई का कार्य करायें। बैठक में प्रमुख सचिव के0 रवीन्द्र नायक ने मंत्री को विभाग की योजनाओं एवं बजट की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया और आश्वस्त किया कि उनसे प्राप्त दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। प्रमुख सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोआश्रय स्थलों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि वृहद गो संरक्षण केन्द्रों के निर्माण में कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाये। बैठक में पशुधन विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र पाण्डेय, पशुपालन विभाग के निदेशक डा0 पी0एन0 सिंह, अपर निदेशक डा0 अरविन्द कुमार सिंह, अपर निदेशक डा0 जयकेश पाण्डेय, एलडीडीबी के डा0 नीरज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विद्युत उद्योग यूपी के पावर सेक्टर में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार आईईईएमए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इंडियन इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन अगले वर्ष 22 से 26 फरवरी तक इलेक्रामा इलेक्ट्रिकल शो का आयोजन ग्रेटर नोएडा में आयोजित करने जा रही है। आज यहां एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सिंघवी ने आज यहां हुये रोड के दौरान पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते हुये बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में गुणवत्ता के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा आज के दौर के उपभोक्ता अन्तर्राष्ट्रीय मानकों से युक्त गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्ट्स की मांग करते हैं। हमारा क्वालिटी कैंपेन इस मांग को पूरा करते हुए सुनिश्चित करेगा कि हमारे निर्माता न सिर्फ स्थानीय ज़रूरतों को पूरा कर सकें बल्कि निर्यात के माध्यम से विश्वस्तरीय बाज़ार में भी अपनी मौजूदगी को सशक्त बना सकें। गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए हम मेक इन इंडिया में योगदान दे सकते हैं। इसी के मद्देनज़र इलेक्रामा 2025 में मुख्य रूप से गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने इस प्रदर्शनी के बारे में बताया कि दुनिया के सबसे बड़े इस शो में 1100 से अधिक प्रदर्शक, 400000 आगंतुक हिस्सा लेंगे। 15000 से अधिक बी2बी बैठकें होंगी 80 देशों से 600 से अधिक खरीददार पहुंचेंगे तथा 10 से अधिक देशों के पैविलियन होंगे। यह संस्करण अब तक का सबसे बड़ा, सबसे प्रभावी और सबसे गतिशील शो होगा। हमज़ा आरसीवाला, तत्काल पूर्व अध्यक्ष आईईईएमए ने भारत के इलेक्ट्रिक सिस्टम में यूपी के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश में बड़ी कंपिनयां और बड़ी संख्या में एसएमई हैं जो ट्रांसफॉर्मर, केबल, मीटर और पावर इलेक्ट्रोनिक्स बनाते हैं। ये उद्योग भारत के महत्वाकांक्षी विकास में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने में लखनऊ अव्वल

» **वाराणसी, कानपुर, आगरा और प्रयागराज क्रमश: टॉप फाइव में**

» **फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू की थी योजना**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सौर ऊर्जा के जरिए देश में बिजली उपलब्धता की समस्या को हमेशा के लिए समाप्त करने और जनता को करीब-करीब निःशुल्क बिजली देने का अभियान यूपी में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। घर की छतों पर सोलर रूफ टॉप पैनल लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किया है। सीएम योगी स्वयं इस योजना की सतत मॉनीटरिंग कर रहे हैं। इसी साल शुरू हुई पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत मात्र सात महीने में ही लखनऊ जनपद में सर्वाधिक रूफ टॉप पैनल इंस्टॉल किये गये हैं। वहीं इसी क्रम में वाराणसी, कानपुर, आगरा और कानपुर नगर टॉप फाइव में हैं।

वाराणसी में 4088 सोलर पैनल इंस्टॉल

हाल ही में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा भी की है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश में लखनऊ जनपद में सर्वाधिक 11,435 सोलर रूफ टॉप पैनल क्रियाशील कर दिये गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में इस योजना के अंतर्गत अबतक 4088 सोलर पैनल इंस्टॉल हो चुके हैं। ऐसे ही कानपुर में 1909, आगरा में 1364 और प्रयागराज में 1349 रूफ टॉप पैनल लगाये गये हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों में भी तेजी से अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्य सचिव ने बिजली विभाग के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं।

अबतक 17 लाख 75 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन

उत्तर प्रदेश में पीएम सूर्य घर योजना के लिए अबतक 17 लाख 75 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इनमें से 32 हजार से अधिक घरों में रूफ टॉप पैनल इंस्टाल किये जा चुके हैं। बता दें कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत एक किलोवॉट क्षमता के रूफ टॉप पर केंद्र सरकार की ओर से 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार की ओर से 15 हजार रुपए यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। ऐसे ही दो किलोवॉट के लिए केंद्र द्वारा 60 हजार रुपए और प्रदेश सरकार द्वारा 30 हजार रुपए यानी कुल 90 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। वहीं तीन किलोवॉट और उससे ऊपर के लोड के लिए केंद्र द्वारा 78 हजार रुपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए यानी कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी जी जा रही है।

यूपी में 25 लाख घरों पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य

बता दें कि 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम सूर्य घर योजना की शुरुआत की थी। योजना का लक्ष्य 2027 तक देश के 1 करोड़ घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन और उपभोग करना है। जनता पर बिजली के बिल के बोझ को कम करने के लिए शुरू की गई इस योजना को उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने तेजी से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 25 लाख घरों पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए यूपी के सभी सात डिस्कॉम और प्रत्येक जिले के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस योजना की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

ह्यूमन-वाइल्डलाइफ इंटरेक्शन का मानव आबादी व वन्यजीवों दोनों पर पड़ रहा असर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ह्यूमन-वाइल्डलाइफ इंटरेक्शन भारत में एक ऐसा मुद्दा है जो लगातार गंभीर होता जा रहा है, इस समस्या का असर मानव आबादी और वन्यजीवों दोनों पर पड़ रहा है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या और शहरों के विस्तार ने वन्यजीवों के रहने के प्राकृतिक स्थानों को समाप्त कर दिया है। इसकी वजह से जानवरों को खाने और रहने का सुरक्षित स्थान पाने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या खास तौर पर घने जंगलों वाली जगहों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में और भी गंभीर है, जहां मनुष्य और वन्यजीव एक-दूसरे के करीब रहने के लिए मजबूर हैं। यह तथ्य आज यहां महानगर स्थित हार्नर कालेज में मानव वन्यजीव सम्पर्क पर सार्वजनिक धारणा को आकार देने को लेकर हुये पैनल चर्चा में सामने आये। मीडिया के साथ हुयी इस परिचर्चा में देवव्रत सिंह, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, डॉ. सौगत साधुखान, भारतीय विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, पुणे, रोहित झा, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी, सुनील हरसाना, कोएग्जिस्टेंस कंसोर्टियम फेलो व विशाखा जॉर्ज, पीपुल्स आर्चीव ऑफ रूरल इण्डिया मौजूद थे। इस परिचर्चा में हाल में उत्तर प्रदेष के बहराइच में भेड़िये के हमलों का भी मामला उठा। जिसको लेकर वक्ताओं ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष लगातार गंभीर होता जा रहा है। यह संघर्ष बदलती परिस्थितियों में सह-अस्तित्व की गंभीर होती समस्या की तस्वीर पेश कर रहा है। हालांकि समुदाय को यह पता है कि एक बेहतर ईकोसिस्टम को बनाए रखने में भेड़ियों की भूमिका बेहद अहम है, लेकिन उनकी आजीविका को लेकर जो खतरा सामने खड़ा है, वह अक्सर प्राथमिकता का विषय बन जाता है।

बीमार चीनी अर्थव्यवस्था को केंद्रीय बैंक से मिला भारी प्रोत्साहन

चीनी बचतकर्ताओं का अधिकांश पैसा आवास निवेश में चला गया था, और जमीन-जायदाद का धंधा करने वाली कंपनियों के बंद होने तथा अधूरे और बिना बिके नये घरों के बड़े स्टॉक ने घरों की कीमतों को कम कर दिया है। लोगों की बचत को झटका लगा है और बढ़ते आवास बाजार का धन प्रभाव गायब हो गया है। इसने उपभोक्ता भावनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। चीनी अर्थव्यवस्था में लगातार 23 महीनों से अपस्फीति देखी जा रही है- यानी, कीमतें वास्तविक समय में गिर रही हैं। इसने वास्तव में चीनी राजनीतिक आकाओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो मंगलवार को चीन के केंद्रीय बैंक के कदम में परिलक्षित हुई।

केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा देखी गयी अब तक की सबसे बड़ी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की। चीनी केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए आरक्षित आवश्यकताओं को कम करके अतिरिक्त तरलता की बड़ी खुराक भी जारी की है। इसके अतिरिक्त, घर खरीदारों को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा बंधकों की दरों में कटौती की गयी है। लेकिन इस तरह की फैक्टरी गेटडिफ्लेशन (अपस्फीति) अर्थव्यवस्था में कुछ संरचनात्मक कठोरताओं को दर्शाती है, जिसके बारे में अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ब्याज दर में कटौती या तरलता के प्रवाह जैसे केवल मौद्रिक नीति उपकरणों से शायद ही लड़ा जा सकता है। आंकड़े रोजगार के रुझान और संभावनाओं में भी थोड़ा सुधार दिखा रहे हैं। चीनी अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्वस्थता इतनी गहरी और व्यापक है कि इसे केवल कुछ वित्तीय प्रोत्साहनों से संबोधित नहीं किया जा सकता है। वास्तविक अर्थव्यवस्था में कुछ अंतर्निहित कठोरताओं और असंतुलनों को वित्तीय अर्थव्यवस्था में तरलता और ब्याज कटौती की खुराक के साथ संबोधित किया जा रहा है। चीनी अर्थव्यवस्था में तीन बुनियादी समस्याएं थीं। सबसे पहले, चीन हाल ही में क्षमता निर्माण के लिए भारी मात्रा में निवेश के माध्यम से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर निर्भर था। बड़े निवेशों ने विशाल अधिशेष क्षमता का निर्माण किया है, जिसे घरेलू अर्थव्यवस्था शायद ही पूरा कर सके।

दूसरा, चीनी नीति निर्माता अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन के लिए आवास उद्योग पर बहुत अधिक निर्भर थे। घर की खरीद और इमारतों ने बड़े शहरों का निर्माण किया, जो अब सबसे ऊंचे शहर दिखते हैं। आवास क्षेत्र में मंदी आ गयी है क्योंकि बड़े संपत्ति डेवलपर दिवालिया हो गये हैं तथा खरीदारों को घर देने में विफल रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने पूरी तरह से भुगतान किया है।

चीनी बचतकर्ताओं का अधिकांश पैसा आवास निवेश में चला गया था, और जमीन-जायदाद का धंधा करने वाली कंपनियों के बंद होने तथा अधूरे और बिना बिके नये घरों के बड़े स्टॉक ने घरों की कीमतों को कम कर दिया है। लोगों की बचत को झटका लगा है और बढ़ते आवास बाजार का धन प्रभाव गायब हो गया है। इसने उपभोक्ता भावनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है यहां हम चीनी अर्थव्यवस्था में मौजूदा गिरावट के तीसरे कारक पर आते हैं। मूल समस्या यह है कि उपभोक्ता में उत्साह कम है और गिरती कीमतों के साथ, उपभोक्ता नये घर या यहां तक कि महंगे उपभोक्ता टिकाऊ सामान खरीदने जैसी बड़ी खरीद प्रतिबद्धताओं को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। पहले के दिनों में चीनी अधिकारियों ने अत्यधिक गर्म बाजार को ठंडा करने के लिए घर खरीदने पर कई प्रतिबंध लगाये थे। अब ये प्रतिबंध उलटे पड़ गये हैं।

इसके अलावा, हाल ही में व्यापक नीतिगत बदलाव किये गये थे जब सुरक्षा संबंधी चिंताएं आर्थिक मुद्दों पर हावी हो गई थीं। समग्र नीतिगत ढांचे में इस तरह के बदलाव अब प्रभावी हो रहे हैं और अर्थव्यवस्था नरम पड़ रही है।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों पर लगातार नीतिगत उलटफेर और सख्ती, उच्च उड़ान वाले बैंकरों और वित्तीय संस्थानों पर हमले, कॉरपोरेट्स में कम्युनिस्ट पार्टी का भारी हस्तक्षेप, इन सभी ने मिलकर चीनी बाजारों और प्रमुख खिलाड़ियों की भावनाओं को निराश किया है। अब जबकि अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही है, चीनी केंद्रीय बैंक से लेकर प्रतिभूति प्राधिकरण जैसे विभिन्न नीति निकाय आर्थिक गिरावट और मंद होते उपभोक्ता उत्साह से निपटने के लिए कार्रवाई में जुट गये हैं।

चीनी केंद्रीय बैंक - पीबीओसी- ने कीमतों में और गिरावट को रोकने और उपभोक्ता खर्च को प्रोत्साहित करने के लिए मंगलवार को 10 खरब येन (142अरब डॉलर के बराबर) का भारी प्रोत्साहन पेश किया था। प्रोत्साहन पैकेज चीनी छुट्टियों के मौसम के दौरान सामने आया है।

हमारी विदेश नीति पर गंभीर सवाल

जनता दो मुख्य पार्टियों की सरकारों की विफलता के बाद सदा हाशिए पर रही इस कम्युनिष्ट पार्टी को जिताने के मूड में आ गई थी क्योंकि अनुरा कि जनोन्मुख राजनीति और आर्थिक नीतियों की बातें उनको लुभा रही थी।

अरविन्द मोहन

अनुरा दिसानायके की जीत की संभावना काफी समय से दिखने लगी थी। जनता दो मुख्य पार्टियों की सरकारों की विफलता के बाद सदा हाशिए पर रही इस कम्युनिष्ट पार्टी को जिताने के मूड में आ गई थी क्योंकि अनुरा कि जनोन्मुख राजनीति और आर्थिक नीतियों की बातें उनको लुभा रही थी। इस बीच अनुरा और उनकी पार्टी ने अपना कम्युनिष्ट चोगा भी उतारा और वाम रुझान भर की बातें करने लगे थे।

यह सही है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी और उग्र राष्ट्रवाद के नाम पर भारत के खिलाफ आग उगलने वाले अनुरा दिसानायके के जीतने की संभावनाएं साफ होने के साथ ही भारत सरकार ने उन्हें दिल्ली आने का न्यौता दिया था और तब विदेश मंत्री जयशंकर समेत कई प्रमुख लोगों के साथ उनकी बातचीत हुई थी। लेकिन इसी बातचीत से उनके तेवर बदले और चुनाव में उन्होंने जनता विमुक्ति पेरामुना वाले पुराने तेवर बदले और कुछ नई बातें कहीं यह दावा नहीं किया जा सकता। भारत ने श्रीलंका के सबसे भीषण आर्थिक संकट के समय 2020 में जो आर्थिक मदद दी थी उससे श्रीलंकाई लोगों के बीच भारत का गुडविल काफी अच्छा है। और फिर भारत ने चीन की तरह श्रीलंका को मदद के नाम पर उसका कोई सैनिक बंदरगाह नहीं हथियाया। लेकिन अनुरा ने चीन समर्थन और भारत के सहयोग से चलाने वाली अकी योजनाओं और संधियों का विरोध जारी रखा। अभी भी अदानी समूह वहां एक विशाल सोलर पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अनुरा के आने से उस पर संकट के बादल न भी लटके हों पर कई तरह के संशय तो पैदा हो ही गए हैं। अनुरा इस बिजली परियोजना की संधि को रद्द करने की बात करते रहे हैं।

जैसा पहले कहा गया है अनुरा दिसानायके की जीत की संभावना काफी समय से दिखने लगी थी। जनता दो मुख्य पार्टियों की सरकारों की विफलता के बाद सदा हाशिए पर रही इस कम्युनिष्ट पार्टी को जिताने के मूड में आ गई थी क्योंकि अनुरा की जनोन्मुख राजनीति और आर्थिक नीतियों की बातें उनको लुभा रही थी। इस बीच अनुरा और उनकी पार्टी ने अपना कम्युनिस्ट चोगा भी उतारा और वाम रुझान भर की बातें करने लगे थे। उनका चीन प्रेम किसी से छुपा नहीं है और चुनाव जीतकर भी उन्होंने जो बदला तेवर दिखाया उसमें भारत से बिगाड़ की बात न थी लेकिन चीन से प्रेम की बात थी। यह उल्लेखनीय है कि श्रीलंका के सारे बंदरगाहों के कामकाज में भारत का समर्थन उपयोगी रहा है और यही कारण है कि पिछली सरकार ने अदानी समूह और अमेरिका के सरकारी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम के साथ मिलकर 55.3 करोड़ डालर की विकास परियोजना शुरू की थी। अनुरा इसे भी बंद कराने की धमकी देते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जब यह समझौता होने को था तब नई दिल्ली में तैनात एक श्रीलंकाई राजनयिक ने खबर फैलाई कि इसमे अदाली समूह को शामिल करने का दबाव था तो उनको तुरंत दिल्ली से वापस बुलाया लिया गया। अब वे किस दिशा में बढ़ते हैं इस पर सबकी नजर होगी। वैसे वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा दी गई सशर्त सहायता पर भी पुनर्विचार करने की बात कर रहे हैं।

अब यह अलग बात है कि अनुरा ने अभी राष्ट्रपति का चुनाव जीता है और श्रीलंकाई शासन व्यवस्था के हिसाब से संसद का चुनाव और प्रधानमंत्री की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। संभव है वे जल्दी से संसद भंग कराके नए चुनाव की पहल करें लेकिन अभी भी उनकी नेशनल पीपुल्स पार्टी आसानी से चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं लगती। पर अब यह श्रीलंकाई सरकार नई होगी और अनुरा सबसे प्रभावी तो रहेंगे ही। इसमें वे पुराने अनुभवों और भौगोलिक बाध्यताओं के चलते अपने भारत विरोधी तेवर में कुछ कमी लाएं लेकिन यह चीन के प्रति झुकी सरकार होगी। श्रीलंका से भी ज्यादा गहरे जुड़ाव वाले देश नेपाल में हुआ सत्ता परिवर्त्तन भी चीन के ज्यादा अनुकूल है। भारत से रिश्ते बिगाड़ने में अनुभवी के पी ओली की अगुवाई वाली सरकार वहां है। और भारत ने लगातार नेपाल को लेकर जो नीतियां चलाई हैं उनसे नेपाल निरंतर हमसे दूर हुआ है। पिछले चार साल से भारतीय सेना में गुरखा जवानों की भर्ती रुकी पड़ी है जबकि वे हमारी सेना का अभिन्न अंग माने जाते हैं. और फौज के जवान और अवकाशप्राप्त हजारों जवान और उनके परिवार जमीनी स्तर पर भारत-नेपाल रिश्तों की जड़ें मजबूत करते है।

कहानी सिर्फ नेपाल और श्रीलंका की नहीं है। बांग्लादेश से तनातनी इस स्तर पर है कि अदानी समूह का दुमका स्थित बिजलीघर अपनी बिजली कहां बेचे यह समझ नहीं पा रहा है। बांग्लादेश की नई सरकार उसके साथ हुए पावर पर्चेज संधि पर पुनर्विचार की बात कर रही है। और हमारे गृह मंत्री समेत सारे भाजपाई चीजों को सुलझाने की जगह झारखंड में चुनाव जीतने के लिए बांग्लादेश से घुसपैठ को लेकर इतने तरह की बातें कर रहा है कि कोई भी स्वाभिमानी देश भड़केगा और बांग्लादेश भी आपत्ति कर रहा है। झारखंड बनने के बाद से अभी तक सबसे ज्यादा समय तक भाजपा का शासन रहा है लेकिन चुनाव में हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण कराने के लिए पूरी भाजपा घुसपैठ का मसाला तेजी से उठा रही है। बांग्लादेश की नई सरकार ने अभी तक कोई भारत विरोधी कदम नहीं उठाया है लेकिन हमारी सरकार ने शेख हसीना से ऐसा स्नेह दिखाया है कि जमाते इस्लामी जैसे पाकिस्तान समर्थक समूहों को भी बल मिला है। बेगम खालिदा जिया भी सत्ता हड़पने की ताक में हैं। कल क्या होगा यह कहना मुश्किल है लेकिन इतना कहने में हर्ज नहीं है कि कल आज की तुलना में ज्यादा भारत विरोधी हवा होगी। हमारे मुखिया दुनिया की समस्याएं सुलझाने का दावा करते हैं लेकिन पड़ोस से रिश्ते सामान्य और मित्रवत रखने में उनको दिक्कत है।

उनके समर्थक मालदीव के 'रास्ते पर आने की बात को उनकी सफलता मानते है। अब मालदीव जैसे नन्हे और पूरी तरह भारत से घिरे और जुड़े देश में अगर कोई भारत विरोधी सरकार आ जाती है तो अपनी नीतियों पर पुनर्विचार किए और नई सरकार से मतभेद सुलझाने की दोस्ताना कोशिश की जगह धमकी से मसला सुलझाना समझदारी नहीं है। मणिपुर के कबायली झगड़े को आपने उलझाया है और सुलझाने की कोई सार्थक कोशिश अभी तक नहीं की गई है लेकिन दोष म्यांमार को देने का शोर मचा रहा है। यह एक और देश को दुश्मन बनाने की तैयारी है। अब अफगानिस्तान में पुरानी लाख कोशिशों पर किस तरह पानी फिरने दिया गया है और पाकिस्तान से क्या कुछ चलता रहा है यह गिनवाने पर तो सरकार की पूरी विदेश नीति ही सवालों के घेरे में आ जाएगी। और फिर इस सुगबुगाहट का कोई मतलब नहीं रहेगा कि हमें सिंधु जल बंटवारे की संधि पर पुनर्विचार करना है क्योंकि तीनों प्रमुख उत्तरी नदियों का 75 फीसदी पाकिस्तान को मिल रहा है और हमें अब यह नुकसान बर्दाश्त करना मुश्किल हों रहा है। साझा इतिहास, संस्कृति, हवा, पानी, बरसात, सर्दी, गरमी तक का साझा रखने वाले पड़ोसियों से कैसे रिश्ते रखने चाहिए यह सीखना हों तो पता नहीं कहां जाएं लेकिन कैसे सारे पड़ोसियों से बैर बना लेना हों तो यह चीज मोदी सरकार से सीख सकते हैं।

अजब-गजब

'किसी दैत्य जैसी है ये तो', जूम करने पर इतनी डरावनी दिखती है चींटी

'तुझे मैं चींटी की तरह मसल दूंगा'।।।आपने अक्सर लोगों को लड़ते समय एक-दूसरे पर धौंस जमाने लिए यह कहते हुए जरूर सुना होगा। लेकिन नाजुक-सी दिखने वाली चींटी जब काटती है, तब इसकी ताकत का पता चलता है। पर क्या आप जानते हैं कि जितनी क्रूरता से चींटी अपने शिकार को काटती है, कैमरे से जूम करने पर वो उतनी ही डरावनी और खौफनाक दिखती है। फिलहाल, ऐसे ही एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है, जिसमें चींटी का क्लोज अप शॉट देखने के बाद लोग कह रहे हैं कि ये किसी 'दैत्य' से कम नहीं लग रही।

एक जर्मन फोटोग्राफर ने एक काली चींटी का अद्भुत क्लोज अप शॉट लेकर सोशल मीडिया की दुनिया में सनसनी फैला दी है। मैक्रो फोटोग्राफर इवान जिवकोविका द्वारा शेयर किए गए वीडियो में चींटी की अद्भुत डिटेलिंग्स पर एक चौंका देने वाली झलक देखने को मिलती है। हालांकि, चींटी के चेहरे को पहली बार इतनी नजदीक से देखकर कई यूजर्स भयभीत हो गए हैं।

वायरल हो रहे वीडियो की शुरुआत में फोटोग्राफर इवान एक एडवांस मैक्रो लेंस से लैस कैमरा पकड़े हुए नजर आते हैं। आप देखेंगे कि वह लकड़ी की रेलिंग पर बैठी एक चींटी पर जूम इन कर रहे हैं। इसका जो रिजल्ट निकलकर सामने आता है, वो बहुत जोरदार है। यकीन मानिए, आपने ऐसा कुछ इससे पहले नहीं देखा होगा। चींटी की आंखों से लेकर नाक और मुंह तक सबकुछ इतना क्लियर है कि ऐसा लगता है कि कीड़ा सीधे लेंस की ओर देख रहा है और बेहद गुस्से में है। ये भी देखेंः डायनासोर की तरह आवाज निकलता है ये पक्षी, यकीन ना हो तो देखें VIDEO

इवान ने बताया कि उन्होंने पहले कभी चींटियों की की तस्वीर नहीं खींची है, लेकिन हर चीज पहली मर्तबा होता है। उन्होंने कहा, मैं चींटियों को अक्सर स्थिर बैठे हुए नहीं देखता। यह पहली बार था, जब उसे शांत देखकर मैंने उसकी कुछ तस्वीरें निकालीं। उन्होंने इसका वीडियो अप्रैल में शेयर किया था, जो अब सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दोबारा शेयर होने पर फिर से वायरल हो रहा है। ये भी देखेंः हद है! रात 11 बजे टॉयलेट क्या गया छात्र, स्कूल ने दे दी अजीबोगरीब सजा

एक्स हैंडल से चींटी के क्लोज अप शॉट वीडियो को शेयर कर यूजर ने लिखा, कमाल की मैक्रो फोटोग्राफी। पोस्ट को अब तक लगभग 70 हजार बार देखा जा चुका है, जबकि ढेरों लोगों ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा, चींटी कितने गुस्से में लग रही है। वहीं, दूसरे यूजर का कहना है, ये किसी मॉन्स्टर जैसी दिख रही है। एक अन्य यूजर ने लिखा, हे भगवान। क्लोज अप में चींटी कितनी डरावनी और भयानक

ब्लॉग

अरविंद केजरीवाल के निशाने पर संघ क्यों?

उमेश चतुर्वेदी

बीते लोकसभा चुनाव अभियान के बीच केजरीवाल ने कुछ ऐसा ही सवाल जनता के बीच उछाला था। तब उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी गृहमंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं। लगे हाथों उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी मोदी पर हमला बोला था।

दिल्ली के भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो चुके अरविंद केजरीवाल के सवालों के घेरे में इन दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के ताजपोशी के अगले ही दिन 'जनता की अदालत' में पहुंचे केजरीवाल ने सीधे-सीधे संघ प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछ लिया। लोकतांत्रिक भारतीय समाज किसी से भी तार्किक सवाल पूछने की अनुमति देता ही है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केजरीवाल के निशाने पर सचमुच मोहन भागवत ही हैं? इसका जवाब केजरीवाल के अतीत के ऐसे ही कुछ सवालों के जरिए तलाशा जा सकता है।

बीते लोकसभा चुनाव अभियान के बीच केजरीवाल ने कुछ ऐसा ही सवाल जनता के बीच उछाला था। तब उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी गृहमंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं। लगे हाथों उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी मोदी पर हमला बोला था। तब उन्होंने कहा था कि योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री नहीं बनाया जाएगा। साफ है कि केजरीवाल के निशाने पर मोदी हैं। लेकिन अतीत के जितने चुनावों में उन्होंने सीधे मोदी पर हमला बोला, उन चुनावों में केजरीवाल को फायदे की बजाय उलटा नुकसान ही हुआ। 2014 के आम चुनावों में वे सीधे ही वाराणसी के चुनावी मैदान में मोदी से दो-दो हाथ करने उतर गए थे। तब मीडिया के एक वर्ग और राजनीति के एक हिस्से ने उन्हें खूब तवज्जो दी थी। लेकिन मोदी के सामने वे कहीं ठहर नहीं पाए थे। अपवाद दिल्ली विधानसभा के अतीत के दोनों चुनाव रहे, जिसमें उन्होंने सीधे मोदी को निशाना बनाया और लोगों का रिकॉर्ड समर्थन हासिल करते रहे। चूंकि कुछ ही महीने बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव हैं। इस बीच केजरीवाल अपनी आधी कैबिनेट के साथ जेल यात्रा कर आए हैं। उनके मंत्री रहे सत्येंद्र जैन अब भी जेल में ही हैं।

मनीष सिसोदिया 14 महीने के बाद जमानत पर जेल से बाहर हुए हैं। उनके तेज-तर्रार सांसद संजय सिंह भी जेल यात्रा कर चुके हैं। शराब नीति घोटाले में इतनी जेल यात्राओं के बाद केजरीवाल और उनकी पार्टी की वैसी छवि नहीं रही, जैसी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में रही। दिल्ली का सार्वजनिक परिवहन हांफ रहा है। दिल्ली के लोग सार्वजनिक सहूलियतों के लिए तरस रहे हैं। एमसीडी में केजरीवाल के नारे के साथ दिल्ली नगर निगम पर आम आदमी पार्टी का कब्जा हो चुका है। लेकिन एमसीडी की कार्यप्रणाली में गुणवत्तापूर्वक बदलाव होता नजर नहीं आ रहा है। बारिश में तकरीबन पूरी दिल्ली तालाब बनी रही। राजधानी दिल्ली के लिए शर्म की ही बात कही जाएगी कि 48 लोग बारिश के पानी से तालाब बनी दिल्ली में डूबकर मर गए। इन घटनाओं के चलते केजरीवाल के पुराने जलवे की दीवार में दरार पड़ चुकी है। इसी दरार के साथ केजरीवाल को विधान सभा के चुनाव में उतरना है, इसलिए उन्होंने अपने आजमाए नुस्खे को एक बार फिर आजमाने का फैसला किया है। इसलिए मोदी पर वे हमलावर तो हैं, लेकिन सीधे हमले से बच रहे हैं। पहले योगी आदित्य और अब मोहन भागवत का बहाना, केजरीवाल की उसी रणनीति का हिस्सा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आमतौर पर ऐसे आरोपों और सवालों की ना तो सफाई देता है और नही जवाब। इसलिए उम्मीद कम ही है कि केजरीवाल के आरोपों और सवालों का मोहन भागवत या संघ का कोई अन्य जिम्मेदार पदाधिकारी जवाब देगा। संघ को ऐसी बातों को नजरंदाज करने का परीक्षित अभ्यास है। आशा की जाती है कि संघ केजरीवाल के किसी भी आरोप और सवाल का जवाब नहीं देगा।

केजरीवाल ने कहा है कि संघ का ही अंग भाजपा है। वह भाजपा विपक्षी दलों की सरकारों और नेताओं को साजिश के तहत जेल भेज रही है। केजरीवाल पूछ रहे हैं कि क्या मातृसंगठन होने के नाते बीजेपी के हर कामों में संघ की भी सहमति है। केजरीवाल ने संघ से यहां तक पूछा है कि क्या बेटा, मां से भी बड़ा हो गया है। केजरीवाल एक तरह से संघ और बीजेपी को एक-साथ जोड़कर बीजेपी को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बीजेपी में संघ की विचारधारा में दीक्षित तमाम लोग तमाम स्तरों पर सक्रिय हैं। लेकिन संघ ने कभी नहीं स्वीकार किया है कि भाजपा उसका अंग है। संघ ने कभी भी इसे स्वीकार नहीं किया है कि बीजेपी उसका राजनीतिक अंग है। संघ उसे अपने आनुसंगिक संगठन के तौर पर भी स्वीकार नहीं करता। इसलिए यह तय है कि केजरीवाल के आरोप या सवाल का संघ कोई जवाब नहीं देने जा रहा। भरसक संघ की कोशिश होगी कि केजरीवाल के सवाल अनदेखे रह जाएं।

वैसे यह भी सच है कि संकेतों में संघ आम चुनाव नतीजों के बाद भाजपा को संदेश देता रहा है। संगठन को मजबूत बनाने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की भावनाओं की कद्र करने को लेकर भी संघ बीजेपी को संकेतों में सुझाव दे चुका है। शायद एक यह भी वजह है कि केजरीवाल बीजेपी की बजाय संघ से ही सीधे सवाल पूछ रहे हैं? केजरीवाल को शायद लगता है कि संकेतों में ही सही, उनके प्रश्नों का जवाब संघ दे दे। केजरीवाल बेहद चतुर राजनेता हैं। उनके अगले कदम की थाह लगाना आसान नहीं है। लेकिन यह तय है कि अगर संघ ने कोई जवाब दिया तो उसे वह ले उड़ेंगे और बीजेपी को नीचा दिखाने के लिए उसकी अपने ढंग से व्याख्या जरूर करेंगे। अगर ऐसा हो गया तो तय मानिए, केजरीवाल अपनी अतीत की राजनीति के हिसाब से नया वितंडा खड़ा करेंगे और इसके बीच से नई चुनावी राह बनाने की कोशिश करेंगे।

केजरीवाल एक और काम इन दिनों कर रहे हैं। वे जनता से पूछ रहे हैं कि वे ईमानदार हैं कि नहीं। चारा घोटाले के आरोपी और बाद में सजायाफ्ता रहे लालू प्रसाद यादव ने कभी जनता से नहीं पूछा कि वे ईमानदार हैं या नहीं। अलबत्ता आरोपी होने और सजायाफ्ता होने के बावजूद उनका दल चुनाव जीतता रहा है। केजरीवाल को अगर इन सवालों के बावजूद जीत मिली तो वे खुद को ईमानदार घोषित करने में पीछे नहीं रहेंगे। हालांकि लालू यादव ने चुनाव जतने के बावजूद कभी ऐसा दावा नहीं किया। इन अर्थों में देखें तो लालू और केजरीवाल में समानता नहीं है। हां, संघ पर हमले के संदर्भ में देखें तो लालू और केजरीवाल की रवायत एक जैसी दिखती है।

केजरीवाल ने ऐसे ही हमले करते हुए अतीत में अपनी ताकत बढ़ाई है। पहले उन्होंने कांग्रेस और शीला दीक्षित पर हमला बोला। शुरूआती दौर में उनका आंदोलन भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ था। तब के सत्ताधारी गठबंधन का शायद ही कोई नेता होगा, जो तब केजरीवाल और उनकी टीम की नजर में भ्रष्टाचारी नहीं था। उनका नाम जपते-जपते केजरीवाल राजनीति के विशेष मुकाम तक पहुंच गए। लेकिन अब वे उन्हीं नेताओं के साथ मंच साझा करते हैं, उनके साथ चुनावी मैदान में उतरने की जोड़-जुगत भिड़ाते रहे हैं। चूंकि अभी बीजेपी उनकी दुश्मन नंबर एक पार्टी है, लिहाजा बीजेपी को छोड़ तमाम बड़ी पार्टियों के साथ वे गठबंधन की राह या तो तलाशते हैं या फिर किसी खास इलाके या राज्य में गठबंधन बना भी लेते हैं। हालांकि लोकसभा चुनावों में उन्हें कोई विशेष सफलता नहीं मिल पाई है। आज की राजनीति का आखिरी लक्ष्य सत्ता रह गई है। अगर सत्ता नहीं मिलती तो लंबी राजनीति के लिए राजनीतिक तौर पर जिंदा रहना जरूरी होता है। केजरीवाल को शायद लगता है कि मोहन भागवत और संघ का नाम उनकी सत्ता की राह बरकरार रखने में मददगार हो या नहीं, राजनीति में उन्हें प्रासंगिक बनाए रखने की जड़ी जरूर है।

सावधान इंडिया के पटकथा लेखक ने कर दिया बड़ा कांड

मेरठ। सावधान इंडिया समेत कई फिल्मों और धारावाहिकों के पटकथा लेखक रोहित राणा और उसके परिजनों के खिलाफ गंगानगर थाने में दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोप है कि दहेज न मिलने पर उन्होंने मुंबई में पत्नी के साथ कई बार मारपीट की। पिता से रुपये मंगवाकर पीड़िता किसी तरह मायके लौटी। मायके आने के बाद भी पति की ओर से धमकियां दी जा रही हैं। गंगानगर क्षेत्र के सलारपुर निवासी प्रीति चौधरी की शादी 2017 में रोहित कुमार राणा पुत्र महक सिंह राणा निवासी मसूरी थाना इंचौली के साथ हुई थी। वह मुंबई में पटकथा लेखक हैं। आरोप है कि शादी के बाद सास संतोष देवी, ननद भावना, रजनी, ज्योति व पति रोहित कुमार दहेज में 10 लाख रुपये की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर आएदिन मारपीट करते थे। उसके पिता ने कई बार पैसे दिए। एक फरवरी 2018 को पति उसे मुंबई ले गया।

स्टेडियम में भारत-बांग्लादेश मैच का रोमांच, बाहर हो रहा विरोध, कहा- हिंदुओं के साथ अत्याचार नहीं सहेंगे

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य प्रकाश शर्मा के साथ विहिप नेताओं के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने आज बांग्लादेश भारत के बीच हो रहे टेस्ट मैच का विरोध दर्ज कराया. कानपुर परेड चौराहे पर शुरू हुए विरोध में पहले बांग्लादेश होश में आओ किनारे बड़ी करने के बाद बांग्लादेश वापस जाओ के नारे लगाए. साथी ही इन नारों के साथ लोगों ने एक गाड़ियों से जुलूस निकाला और साथ में ही हनुमान चालीसा का पाठ भी किया.

कानपुर में शुरू हुए 5 दिवसीय बांग्लादेश व भारत के टेस्ट मैच को लेकर इससे पहले भी हिंदू संगठनों ने ग्रीन पार्क चौराहे पर जाकर अपना विरोध दर्ज कराया था और मैच न होने की धमकी दी थी. इसके बाद कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने उन पर कार्रवाई भी की थी. विश्व हिंदू परिषद के बैनर के तले हुए इस मैच के विरोध प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद के कानपुर के नेताओं ने कहा है कि भारत में बांग्लादेश कहीं पर भी मैच खेलेगा तो उसके खिलाफ वह प्रदर्शन करेंगे.

परेड चौराहे पर पुलिस बल को लगा दिया और उनके जुलूस को आगे नहीं बढ़ने दिया. इस प्रदर्शन से विश्व हिंदू परिषद ने ये संदेश देने की कोशिश की है कि अगर कहीं पर भी हिंदुओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार, ना इंसाफी को वह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करने वाले हैं. इसके लिए ऐसे आयोजनों को कराने वाले भी उनके निशाने पर विरोध में आ सकते हैं. कानपुर में आयोजित हो रहे बांग्लादेश भारत के टेस्ट क्रिकेट मैच को लेकर पहले से ही कानपुर के कई हिंदू संगठन सोशल मीडिया पर भी मैच के बहिष्कार के ऐलान के साथ ही कानपुर के लोगों से मैच देखने न जाने की अपील कर चुके थे.

सुरक्षा के लिए पुलिस बल को किया गया तैनात

बांग्लादेश में हिंदुओं को जिस तरीके से प्रताड़ित, परेशान और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, उससे वह पूरे तरीके से असंतुष्ट हैं. ऐसे में भारत के साथ कोई भी मैच मैत्री नहीं हो सकता. उन्होंने बीसीसीआई को भी इसके लिए चेतावनी दी है. इस तरीके के मैचों का आयोजन अगर वो करते हैं तो उनके खिलाफ भी हिंदू संगठन सड़कों पर उतरेंगे .फिलहाल, एक तरफ जहां कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान में भारत ने टॉस जीतकर मैच की शुरुआत कर दी थी, वहीं दूसरी ओर मात्र 3 किलोमीटर दूर ही विहिप के इस बड़े प्रदर्शन से कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के हाथ पैर फूल गए. मैच के दौरान किसी तरह का हंगामा न हो इसके लिए उन्होंने भारी संख्या में पुलिस बल का इंतजाम किया.

फार्म हाउस में कुंबल करके हजारों की चोरी, मौके पर नहीं पहुंची थाना पुलिस

मेरठ। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र में दो दिन पहले बदमाशों ने फार्म हाउस में कुंबल करके हजारों की चोरी को अंजाम दिया। पीड़ित का आरोप है कि आज तक भी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कोई जांच-पड़ताल नहीं की है। जिसके चलते कप्तान ऑफिस पहुंचे पीड़ित ने प्रार्थना पत्र देते हुए घटना के खुलासे की मांग की है।

परीक्षितगढ़ क्षेत्र के अगवानपुर गांव के रहने वाले दीपचंद ने बताया कि उसने गांव के बाहर स्थित अपने खेत में सूअर पालन के लिए फार्म हाउस बनवाया था। जिसमें अभी जानवरों को नहीं लाया गया था। दीपचंद का आरोप है कि बीती 25 सितंबर को बदमाशों ने फार्म हाउस में बने कमरे में कुंबल करके सोलर पैनल की दो प्लेट, समरसेबल के मोटर का पंखा, बिजली की फिटिंग और सेनेटरी फिटिंग के समान सहित छत के पंखे पर हाथ साफ कर दिया।

स्कूल की कमाई बढ़ाने के लिए दी मासूम की बलि, दो बच्चों की हत्या का था प्लान

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में 7 साल के मासूम की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, वो भी स्कूल परिसर के अंदर। इस हत्याकांड से पूरे इलाके में खलबली सी मच गई थी। पुलिस को अब इस केस में बड़ी कामयाबी मिली है। हत्याकांड में शामिल स्कूल प्रबंधक समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी के साथ मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे भी हुए, जिससे पुलिस वालों के भी रोंगटे खड़े हो गए। स्कूल प्रबंधक के पिता ने ही यह सब करवाया था। वो भी सिर्फ इसलिए ताकि उनका स्कूल तरक्की कर सके।

यही नहीं, उनकी तो एक और छात्र की बलि देने की भी योजना थी। लेकिन उसमें वो लोग फेल हो गए। उस बच्चे की किस्मत अच्छी थी कि उसकी जान बच गई। मामला सहपऊ कोतवाली क्षेत्र के रासगवां गांव का है। यहां डीएल पब्लिक आवासीय स्कूल स्थित है। स्कूल में 11 वर्षीय छात्र कृतार्थ कुशवाहा क्लास 2 में पढ़ता था, जो कि तुरसेन का रहने वाला था। कुछ दिन पहले कृतार्थ की हत्या कर दी गई थी। बच्चे का शव स्कूल प्रबंधक की कार से बरामद हुआ था। 23 सितंबर को कृतार्थ के पिता कृष्ण कुमार ने इस संबंध में स्कूल प्रबंधक समेत कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस अधिकारी ने फिर उनकी गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। पुलिस ने अब जब नामजद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तो पता चला कि स्कूल के प्रबंधक दिनेश बघेल के पिता जशोधन सिंह ने स्कूल की तरक्की के लिए बच्चे की बलि देने का प्लान तैयार किया था। उन्होंने दो बच्चों की बलि देनी थी। इससे पहले भी वो एक बच्चे की बलि देने की कोशिश कर चुके थे। उसका नाम राज है, जो चौथी कक्षा का छात्र है। राज को इन लोगों ने 6 सितंबर के दिन मारने की कोशिश की थी। लेकिन जब उन लोगों ने राज का गला घोंटना शुरू किया तो वो जोर से चिल्लाने लगा। फिर किसी तरह जान बचाकर वो वहां से भाग खड़ा हुआ। राज का मेडिकल करवाया गया था, जिसमें पता चला था कि उसका गला दबाने की कोशिश हुई थी। जांच में स्कूल के पीछे लगाए गए नल कूप से पूजा पाठ का सामान भी मिला था, जिस से पुष्टि हुई की तंत्र- मंत्र किया जा रहा था। इस केस की अभी जांच चल ही रही थी कि तभी 22 सितंबर को आरोपियों ने कृतार्थ को अपना निशाना बना लिया। बच्चे का गला दबाकर उसे मार डालां। 23 सितंबर को कृतार्थ के पिता ने पुलिस को बताया- स्कूल प्रशासन की ओर से उन्हें फोन करके बताया गया कि उनका बेटा बीमार पड़ गया है। जब वो स्कूल पहुंचे तो कहा गया कि उनके बेटे को स्कूल निदेशक अपनी कार में ले गए हैं। ताकि बच्चे को अस्पताल पहुंचाया जा सके। लेकिन बाद में उन्हें बच्चे की सिर्फ डेड बॉडी ही मिली। उन्होंने स्कूल के प्रबंधक समेत कुछ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस ने जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है वो सभी अलग-अलग शहरों के रहने वाले हैं। दिनेश बघेल और जशोधन सिंह ग्राम रसगवां थाना सहपऊ जनपद हाथरस के रहने वाले हैं। वहीं लक्ष्मण सिह पुत्र राधेश्याम बढा लहरोली घाट थाना बल्देव जनपद मथुरा के रहने वाले हैं और वीरपाल सिह उर्फ वीरू पुत्र श्री रधुवीर सिंह ग्राम बंका थाना मुरसान हाथरस के रहने वाले हैं। पुलिस इस मामले में आगामी कार्रवाई कर रही है। आरोपियों ने इस बात को कबूल लिया है कि तंत्र मंत्र के चलते ही बच्चे की बलि दी गई थी। बच्चे के पिता कृष्ण कुमार ने मामले में रोते-रोते कहा- हम अपने बच्चों को स्कूल ये सोचकर भेजते हैं कि वहां पर वो सुरक्षित रहेगा, अच्छे से पढ़ाई करेगा और अपना भविष्य बनाएगा। लेकिन शिक्षा का वही मंदिर तंत्र-मंत्र और काले जादू की वजह से यमलोक बन जाए तो ये बड़ी ही चिंता की बात है। मेरे बेटे कृतार्थ का गुनाह सिर्फ इतना ही था कि वो एक ऐसे स्कूल में पढ़ रहा था जिसे चलाने वाले इंसानों की सोच किसी जानवर से कम नहीं थी।

पुलिस कर रही थी ट्रैक्टर का पीछा, बचने के लिए युवक को रौंदा, परिवार बोला– पुलिसवालों ने मारकर फेंका

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा कोतवाली इलाके में ट्रक के नीचे दबने से एक शख्स की मौत हो गई है। ग्रामीण की मौत की जानकारी मिलने पर भारी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। मौके पर इकट्ठा होकर ग्रामीण ने हंगामा करना शुरू कर दिया और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। वहीं पुलिस टीम पर हुए हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में पुलिस कर्मी को घेर कर मारपीट करते हुए ग्रामीण दिख रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद पुलिस के द्वारा एक ट्रैक्टर-ट्राली का पीछा किया जा रहा था, तभी अचानक हादसा हो गया। हादसे में लोकेश उर्फ सोनू की मौत हो गई है। मृतक के परिवार वाले पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मृतक खेत से

मिट्टी उठाकर प्लॉट में भरने के लिए जा रहा था। उसी दौरान वो हादसे का शिकार हो गया।

गुस्साए ग्रामीणों ने जाम किया सड़क

युवक की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों के जमकर हंगामा किया। हंगामा और बवाल की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम से ग्रामीणों की झड़प हो गई है। वहीं गुस्साए ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को ट्रैक्टर-ट्राली लगाकर जाम कर दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझने का प्रयास किया। मृतक के शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के बाद कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया जा रहा था लेकिन गुस्साए ग्रामीण किसी की एक भी सुनने को तैयार नहीं है।

क्या बोले पुलिस अधिकारी?

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा कोतवाली इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। युवक की मौत के बाद ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। ग्रामीणों की पुलिस से कई बार झड़प भी हुई। मुरादाबाद पुलिस के द्वारा परिजनों की शिकायत पर दो पुलिसकर्मियों सहित दो अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि हमें कुछ नहीं पता, क्या हुआ था, हमें हमारा मोनू चाहिए। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिसवालों ने मारकर ट्रैक्टर के नीचे डाला है।

सड़क पर खड़ी की कार तो सरकार वसूलेगी चार्ज... घंटे, दिन और सप्ताह के लिए कितना लगेगा पैसा?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शहरों में रात में सड़कों पर गाड़ी पार्क करने वाले के खिलाफ सरकार नया नियम लागू करने जा रही है. नगर निगमों में रात में गाड़ी पार्क करने वाले से सरकार अपना पार्किंग शुल्क वसूलेगी. सरकार की तरफ से जल्द ही इसके लिए आदेश जारी किया जाएगा. माना जा रहा है कि सरकार एक रात के 100 रुपए, एक सप्ताह के 300 और महीने का एक हजार रुपए शुल्क होगा. प्रदेश के कई शहरों में लोग रात के समय सड़क पर गाड़ी पार्क करते हैं. ये पार्किंग निःशुल्क होती है यानि सरकार या नगर निगम की तरफ से इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है. लेकिन सरकार जल्द ही इसके लिए व्यवस्था लागू करने वाली है. रात में सड़क पर गाड़ी पार्क करने वाले लोगों से पार्किंग शुल्क लिया जाएगा. प्रदेश नगर निगम अनंतिम नियमावली-2024 के की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने इस पर सुझाव मांगे हैं. उन्होंने कहा कि लोगों के सुझाव मिलने के बाद विचार किया जाएगा और आपत्तियों का निवारण करने के बाद नई पार्किंग नीति के लिए कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जाएगा. उन्होंने कहा कि शहरों में पार्किंग नहीं होने कारण नगर निगम मन माने तरीके से वसूली करता है. इससे अवैध पार्किंग भी बढ़ी है. प्रमुख सचिव नगर विकास ने कहा कि नगर निगम के मनमाने तरीके से पार्किंग के लिए ठेके उठाने और वसूली करने के कारण शहरी क्षेत्रों में अवैध पार्किंग बढ़ी है. प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने जानकारी देते हुए कहा कि सुनियोजित पार्किंग के लिए नगर विकास विभाग से नई नीति लाने का निर्देश दिया था.

हत्या करके सड़क किनारे जला दी लाश, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

मेरठ। शुक्रवार की सुबह सदर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे बनाई गई चिता में अधजला शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। घटना के बाद आनन-फानन में सीओ कैंट सहित थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने अधजले शव को मोर्चरी भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, शुक्रवार की सुबह 510 आर्मी बेस वर्कशॉप के सामने फ्लाईओवर के नीचे से गुजरते राहगीरों ने एक चिता सुलगती हुई देखी। जिसमें अधजला शव पड़ा था यह। नजारा देखते ही सड़क चलते लोगों के होश उड़ गए। मामले की जानकारी मिलने पर आनन-फानन में सीओ कैंट चंद्र प्रकाश अग्रवाल थाना पुलिस को लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव की जांच-पड़ताल करते हुए उसे कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा। अनुमान लगाया जा रहा है कि देर रात किसी की हत्या करके शव को सड़क किनारे जलाया गया है।

गांजा को मान्यता दी जाए... सपा सांसद अफजाल अंसारी ने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से सांसद और समाजवादी पार्टी के नेता अफजाल अंसारी ने गांजा को वैध किए जाने की मांग उठाई है। अफजाल अंसारी ने गुरुवार को गांजा को लेकर कहा, इसे कानून का दर्जा देकर वैध किया जाना चाहिए।

सपा सांसद अफजाल अंसारी ने कहा, कानून का इतना बड़ा मखौल क्यों उड़ाते हो, लाखों करोड़ों लोग खुले आम गांजा पीते हैं। उन्होंने कहा, धार्मिक आयोजनों में गांजा खुले आम पिया जाता है। धार्मिक आयोजनों में गांजा भगवान का प्रसाद और बूटी कह कर पिया जाता है। अफजाल अंसारी नेसवाल उठाते हुए कहा, जब भगवान का प्रसाद और बूटी है तो अवैध क्यों है।

गांजा को वैध करने की मांग

अफजाल अंसारी ने कहा, हम कह रहे हैं कि आप गांजा छिपकर क्यों पी रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, भगवान शंकर के प्रसाद भांग पर लाइसेंस मिलेगा लेकिन गांजा का लाइसेंस नहीं मिलेगा। कानून बनाया तो सम्मान कीजिए नहीं तो छूट प्रदान कीजिए। उन्होंने गांजे को कानूनी वैधता देने की वकालत करते हुए कहा, लोग कहते हैं कि इस को पीने से भूख लगती है और स्वास्थ्य भी ठीक रहता है इसलिए हमारी मांग है कि इसको कानून का दर्जा दिया जाए। अफजाल अंसारी ने कहा, कुंभ में मालगाड़ी भरकर गांजा भेज दो, खप जाएगी।

सीएम योगी पर किया हमला

उत्तर प्रदेश सरकार की आबकारी नीति पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी ने आवाज उठाते हुए कहा कि बिहार में शराबबंदी होने के बावजूद बिहार के बॉर्डर इलाकों में आबकारी विभाग ने कई शराब की दुकानों को लाइसेंस दिए, ऐसे में इस समस्या का समाधान करने के लिए पहले उन दुकानों का लाइसेंस खत्म करो जो बिहार के बॉर्डर इलाकों में खोले गए हैं।

अफजाल अंसारी ने यूपी की योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा, अपने बाबा मुख्यमंत्री से कहिए यह नई शराब की दुकानों को बंद कराए। जहां एक तरफ अफजाल अंसारी गांजा को वैधता देने की बात कर रहे हैं। वहीं, उन्होंने दूसरी तरफ शराब का विरोध करते हुए कहा, किस धर्म में लिखा है की शराब की दुकानों का विस्तार कीजिए।

निर्माणाधीन कॉलोनी में बदमाशों का धावा, दिन निकलते ही लाखों की डकैती

मेरठ। शुक्रवार को दिन निकलते बदमाशों ने मवाना रोड स्थित निर्माणाधीन कॉलोनी में सिक्योरिटी गार्डों को बंधक बनाकर लाखों की डकैती को अंजाम दिया। कॉलोनी की चारदीवारी तोड़कर घुसे बदमाश वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद एसपी देहात सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस घटना के जल्द खुलासे का दावा कर रही है।

जानकारी के मुताबिक साधन पुलिया के पास गोल्डन एवेन्यू कॉलोनी का निर्माण हो रहा है। कॉलोनी में साधन निवासी मनोज कुमार और इंचौली के रामपुर गांव का रहने वाला दीपक कुमार गार्ड हैं। सिक्योरिटी गाड्र्स के मुताबिक शुक्रवार की सुबह पौ फटने से पहले आधा दर्जन से अधिक हथियार बंद बदमाश कॉलोनी की बाउंड्री तोड़कर भीतर घुस गए। जहां उन्होंने मनोज की दो नाली बंदूक लूट कर दोनों गाड्र्स को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया।

सुनील गावस्कर ने लखनऊ से अयोध्या जाने वाली सड़क की जमकर की तारीफ, कहा– हमें मुंबई के गड्ढों की आदत है

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपना अयोध्या जाने का शानदार अनुभव शेयर किया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ से अयोध्या जाने वाली सड़क शानदार है। हमें तो मुंबई के गड्ढों की आदत है। गावस्कर कानपुर में हो रहे भारत-बांग्लादेश टेस्ट मुकाबले की कमेंट्री कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अयोध्या आने-जाने वाली सड़कों की जमकर तारीफ की। दरअसल, वो गुरुवार को अयोध्या पहुंचे थे और उन्होंने रामलला के दर्शन किए थे।

मैच के पहले घंटे के बाद ड्रिंक्स ब्रेक खत्म हुआ और सुनील गावस्कर कमेंट्री पर आए। इसी दौरान दिनेश कार्तिक ने बोला कि सुनील गावस्कर अभी अयोध्या में दर्शन करके आए हैं। इसी बात पर गावस्कर ने अयोध्या के अपने

अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, 'हमको तो मुंबई के गड्ढों की आदत है, ऐसा लगता है कि मुंबई में सड़क बनाने वालों का हर साल बेनिफिट मैच होता है। वो हर साल सड़क बनाते हैं और हर साल वहां गड्ढे बन जाते हैं।'

हनुमानगढ़ी भी गए गावस्कर

लखनऊ से अयोध्या की दूरी करीब 140 किलोमीटर है जिसे कार से तय करने में करीब 2 घंटे का समय लगता है। गुरुवार को अयोध्या पहुंचे गावस्कर ने राम मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य को भी देखा। यही नहीं, वो हनुमानगढ़ी भी गए और वहां पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी में हनुमानजी के दर्शन करने के बाद उन्होंने सुग्रीव किला स्थित ट्रस्ट के दफ्तर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मुलाकात की और करीब एक घंटे तक बातचीत की।

'सभी को राम लला के दर्शन के लिए आना चाहिए'

रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि अयोध्या आकर उन्हें बेहतर महसूस हो रहा है। गावस्कर ने कहा, 'मैं रामलला के दर्शन पाकर धन्य हो गया।' गावस्कर ने कहा कि राम मंदिर हिंदुओं के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है। सभी लोगों को रामलला के दर्शन के लिए यहां पहुंचना चाहिए। दिग्गज क्रिकेटर रहे गावस्कर ने रामलला के दर्शन के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के श्रीसत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल में पत्रकारों से बात की। अयोध्या में भगवान राम के दर्शन करने के बाद सुनील गावस्कर कानपुर के लिए रवाना हो गए थे। उन्हें भारत और बांग्लादेश के बीच हो रहे टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में कमेंट्री के लिए कानपुर पहुंचना था। इस मैच की कमेंट्री के दौरान उन्होंने अपना अनुभव साझा किया।

आगरा या बनारस नहीं... पर्यटकों के मामले में यूपी का ये शहर सबसे आगे

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में पर्यटन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार के प्रयासों को सफलता भी मिली है। राज्य में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। 2023 में राज्य में धार्मिक और ऐतिहासिक नगरों में विदेशी सैलानियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ। पर्यटन में छलांग लगाते हुए साल 2024 के 6 महीने के आंकड़े सामने आए हैं। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। देश के अलग-अलग शहरों और राज्यों से यूपी में 19.53 करोड़ पर्यटक आए हैं।

देश के दूसरे राज्यों के मुकाबले यूपी में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 60 फीसदी बढ़त हुई है। टूर एंड ट्रैवेल्स एजेंटों ने यूपी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या पर कहा, इसकी वजह बेहतर रेल और हवाई कनेक्टिविटी को माना जा सकता है। यूपी में आने जाने की बेहतर सुविधा के कारण लोगों का आकर्षण बढ़ा है। वंदे भारत ट्रेन चलने से लोगों को कम समय में यात्रा का प्लान तैयार करने में सुविधा हो रही है।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों की बात करें तो 2022 में राज्य में कुल 32.18 करोड़ पर्यटक आए थे। वहीं 2024 के शुरुआती 6 महीने में ये आंकड़ा 32.98 हो गया। वहीं इससे पहले के सालों में इससे भी कम लोग आए थे। पर्यटन विभाग के आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पिछले सालों कि अपेक्षा साल 2024 में पर्यटकों की संख्या में कितना इजाफा हुआ है।

अयोध्या पहुंचे सबसे ज्यादा पर्यटक

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण होने के बाद अयोध्या आने वाले पर्यटकों में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि हुई है। सालभर में प्रदेश के दूसरे शहरों में इतने पर्यटक नहीं पहुंचे जितने अयोध्या पहुंचे हैं। 6 महीने में 10.99 करोड़ पर्यटक अयोध्या पहुंचे हैं। साल के पहले महीने में सिर्फ 6.98 करोड़ लोग रामनगरी पहुंचे थे। वहीं धार्मिक नगरी वाराणसी में भी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। वाराणसी में 6 महीने में 4.59 करोड़ लोग पहुचे हैं इनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या भी शामिल है।

ताजनगरी में विदेशी पर्यटकों का इजाफा

ताजनगरी आगरा में भी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ। यहां विदेशी पर्यटक सबसे ज्यादा आते हैं। आगरा में जून महीने 7.03 लाख विदेशी पर्यटक आए, जबकि अयोध्या में जून के महीने में सिर्फ 2851 ही विदेशी पर्यटक आए थे। वही काशी में 1.33 और मथुरा में 49619 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे।

रिलेशनशिप- बेटी राहा को लोरी सुनाते हैं रणबीर: बच्चे की परवरिश में पिता की भूमिका बहुत अहम, कैसे बनें अच्छे पिता

एक बच्चे को संभालने की जितनी जिम्मेदारी एक मां की होती है, उतनी ही पिता की भी होती है। जैसे मां और नवजात बच्चे के रिश्ते की तुलना इस दुनिया में और किसी रिश्ते से नहीं की जा सकती। वैसे ही एक पिता का अपने बच्चे के साथ जो एक अनोखा और अटूट रिश्ता होता है, वो भी अपने आप में यूनीक है। वह सिर्फ पिता ही महसूस कर सकते हैं।

हाल ही में आलिया भट्ट ने अपने पति रणबीर और बेटी राहा के रिश्ते को लेकर कुछ बहुत सुंदर बातें कहीं। उन्होंने बताया कि राहा और रणबीर के बीच एक स्पेशल फ्रेंडशिप है। राहा के लिए रणबीर खुद से रैंडम खेल बनाते रहते हैं। अचानक कहेंगे, "चलो अब हम कबर्ड के कपड़े छूकर देखेंगे।" फिर 'ये वैल्वेट है,' 'ये कॉटन है' टाइप उनका यूनीक खेल शुरू हो जाता है।

सबसे खूबसूरत बात तो यह है कि रणबीर बिटिया के लिए लोरी भी गाते हैं और वो भी मलयालम में। दरअसल, राहा की केयर टेकर केरल से हैं और वे उससे मलयालम में बातें करती हैं, गीत गाती हैं, लोरी सुनाती हैं।

जब भी राहा को नींद आ रही होती है तो वो 'वावावो' कहकर इशारा करती है। अब रणबीर भी इस बात को समझने लगे हैं। रणबीर ने राहा के लिए 'उन्नी वावावो' गाना याद कर लिया है और जब भी वह सोती है, वो उसे यही गाना सुनाते हैं।

कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में रणबीर ने कहा था कि वो बर्पिंग एक्सपर्ट हैं। छोटे बच्चों को दूध पिलाने के बाद कंधे पर टिकाकर डकार दिलवानी होती है, वरना बच्चा दूध उलट सकता है। रणबीर ने कहा था कि राहा को दूध कोई भी पिलाए, लेकिन बर्पिंग की ड्यूटी उसके पापा की होती थी। आलिया बताती हैं कि रणबीर एक पिता के रूप में बहुत केयरिंग हैं।

तो आज हम रिलेशनशिप कॉलम में बात करेंगे बच्चे के पालन-पोषण में पिता की भूमिका की। साथ ही जानेंगे कि- पिता के साथ बच्चे का रिश्ता क्यों जरूरी और महत्वपूर्ण है। कैसे पिता अपने बच्चे की भाषा समझ सकते हैं और उसकी परवरिश में बराबर की साझेदारी कर सकते हैं।

बच्चे के पालन-पोषण में पिता का रोल कितना अहम

बच्चे के पालन-पोषण में पिता का रोल बहुत जरूरी और अहम है। कोई भी पुरुष बच्चे का बाप तो बन सकता है, लेकिन पिता बनने में पूरी जिंदगी लग जाती है। पिता हर बच्चे के जीवन में एक ऐसी भूमिका निभाते हैं, जिसे कोई और नहीं निभा सकता।

अगर बच्चा लड़की है तो पिता उसकी जिंदगी के पहले पुरुष होते हैं, जिससे वह प्रेम, सम्मान, दुलार सीखती है। अगर बच्चा लड़का है तो पिता उसकी जिंदगी के पहले मेल रोल मॉडल होते हैं। बच्चे अपने पिता को कॉपी करते हैं और उनके जैसा बनना चाहते हैं।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, नवजात बच्चे की देखभाल में पिता की भागीदारी बच्चे और मां दोनों के स्वास्थ्य के लिए अच्छी है ही। साथ ही यह पिता के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बहुत सकारात्मक असर डालती है।

नवजात बच्चे की भाषा को पिता कैसे समझें

कुछ लोग पिता होने के ख्याल से डरते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वे यह काम अच्छे से नहीं कर सकते हैं। या कुछ लोगों का सोचना होता है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं बच्चों को बेहतर तरह से संभालती हैं। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। पुरुष हो या महिला, बच्चे को दोनों की जरूरत होती है।

चाइल्ड काउंसलर डॉ. जगमीत कौर चावला कहती हैं कि वो जमाना गया, जब बच्चे की पूरी जिम्मेदारी को सिर्फ मां के सिर डाल दी जाती थी और पिता बस उसे थोड़ा लाड़-दुलार करके काम पर निकल जाते थे। लेकिन आज वक्त बहुत बदल गया है। लोगों की सोच में भी बदलाव आया है।

अब पिता भी बच्चे की पूरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं और यह अच्छी बात है। जो पिता बच्चे की जिम्मेदारी से घबराते हैं, उन्हें सबसे पहले बच्चे और उसकी भाषा को समझने की जरूरत है।

इस विषय पर अमेरिकन राइटर जेसन पीटरसन ने एक किताब लिखी है- 'फर्स्ट टाइम डैड।' इस किताब में बताया गया है कि जो पहली बार पिता बन रहे हैं, वो कैसे अपने नवजात बच्चे के साथ सुंदर रिश्ता बना सकते हैं।

यह किताब कुछ इस तरह के सवालों के जवाब सरल भाषा में देती है–

प्रेग्नेंसी से बतौर कपल जीवन में जो बदलाव आते हैं, उसके लिए खुद को कैसे तैयार करना है।

घर में नए मेंबर के स्वागत के लिए खुद को मानिसक रूप से कैसे तैयार करना है।

उसके लिए क्या-क्या बुनियादी तैयारियां जरूरी हैं।

बच्चे के आने के बाद जीवन में जो बदलाव आएंगे, उसके लिए खुद को कैसे तैयार करना है।

नवजात शिशु की भाषा, उसके रिएक्शन को कैसे समझना और रिस्पांड करना है।

शिशु की भाषा कैसी होती है

जन्म से ही शिशु कई तरह की आवाजें निकालता है, जैसे रोना, हंसना, सांस लेना, खांसना, डकार लेना, वगैरह। यही आवाजें और हाथ-पैर से किए गए कुछ इशारे बच्चे की भाषा होते हैं, जिसे माता-पिता को समझना होता है। लगभग तीन महीने की उम्र से बच्चा मुस्कुराने लगता है। उसके एक-दो महीने बाद वो चिल्लाना और तरह-तरह की आवाजें निकालना शुरु कर देता है। 8 से 9 महीने की उम्र में बच्चा आपकी शारीरिक भाषा समझने लगता है। जैसेकि आप उसे जो भी इशारे करते हैं, उस ओर देखने लगता है।

नवजात बच्चे की भाषा कुछ इस तरह होती है

बच्चा रोकर अपनी जरूरतें बताता है- नवजात बच्चे रोकर अपनी जरूरतों को व्यक्त करते हैं।

जोर से चिल्लाना- नवजात बच्चे आवाज से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं।

चेहरे के हाव-भाव- बच्चे चेहरे के हाव-भाव से अपनी भावनाएं बताते हैं।

उसका हाथ-पैर हिलाना- कई बार बच्चे जोर-जोर से हाथ-पैर चलाकर अपनी बात जाहिर करने की कोशिश करते हैं। खुश होने पर ज्यादा ऐसे करते हैं।

पिता बनने में बहुत खुशी और सुख है

जेसन पीटरसन लिखते हैं कि मां ने बच्चे को 9 महीने अपने गर्भ में रखा है। उसका बच्चे के साथ बायलॉजिकल जुड़ाव भी है। लेकिन पिता का बच्चे के साथ असली रिश्ता उसके जन्म के बाद शुरू होता है। इसलिए इस रिश्ते को बनाने और मजबूत करने के लिए पिता को थोड़ा श्रम और समर्पण करना पड़ता है। लेकिन इस श्रम का जो प्रतिदान है, वो बहुत बड़ा है। पिता बनकर, पिता के रूप में बच्चे की आधी जिम्मेदारी निभाकर सुख भी बहुत मिलता है।

वेट लॉस करने के लिए खाना शुरू कर दें फूड

जिन चीजों में कार्ब्स की मात्रा ज्यादा होती है, उन्हें खाने से वजन बढ़ सकता है। खासकर, अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो लो कार्ब्स फूड को ही डाइट में शामिल करें। आइए इन फूड्स के बारे में हम एक्सपर्ट से जानते हैं।

कार्ब्स वाली चीजें खाने से वजन बढ़ने की संभावना होती है। खासकर, वेट लॉस करने वाले लोग कार्ब्स वाली चीजों को डाइट में शामिल करने से बचते हैं। सबसे ज्यादा कार्ब्स गेहूं और चावल में होता है। ज्यादा कार्ब्स वाली चीजें खाने से हेल्थ को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। ऐसे में आर लो कार्ब्स वाले फूड को डाइट में शामिल करें।

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि अगर आप इन अनाज के अलावा दूसरे लो कार्ब्स वाली चीजें खाना चाहते हैं, तो इसमें भी कई सारे ऑप्शन मौजूद हैं। लो कार्ब्स फूड वेट लॉस में प्रभावी साबित होते हैं। ये हमारे डाइजेशन के लिए भी काफी अच्छे माने जाते हैं। आइए आपको लो कार्ब्स फूड के बारे में बताते हैं।

क्विनोआ

लो कार्ब्स वाले अनाज के रूप में आप क्विनोआ को शामिल कर सकते हैं। आपको बता दें कि यह ग्लूटेन-फ्री होता है। इसके साथ ही, क्विनोआ में प्रोटीन और फाइबर ज्यादा होता है। क्विनोआ में कार्ब्स की मात्रा दूसरे अनाजों की तुलना में कम होती है।

चिया सीड्स

चिया सीड्स में कार्ब्स की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा, चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर की भी भरपूर मात्रा होती है। ज्यादातर लोग वेट कम करने के लिए रोजाना सुबह चिया सीड्स खाना पसंद करते हैं।

अलसी के बीज

इन दोनों सीड्स के अलावा, अलसी के बीज में कार्ब्स कम होते हैं। इनमें भी ओमेगा-3 और फाइबर से भरपूर चीजें पाई जाती हैं। यह लो कार्ब डाइट के लिए शानदार विकल्प है। बता दें कि थायराइड से लेकर डायबिटीज की परेशानी से जूझ रहे लोगों के लिए अलसी के बीज काफी हेल्दी हो सकते हैं।

कुट्टू है हल्दी

कुट्टू एक ग्लूटेन-फ्री अनाज है। इसमें कार्ब्स की मात्रा कम होती है। इसमें मैग्नीशियम और फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप लो कार्ब्स डाइट फॉलो कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। इन सारे अनाजों में कार्ब्स की मात्रा कम होती है, जो वजन कम करने वाले लोगों के लिए फायदेमंद हैं।

सूरज की रोशनी किस तरह है दिमाग के लिए फायदेमंद?

हम अक्सर सुनते आए हैं कि सूरज की बहुत ज्यादा गर्म किरणें स्किन के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। लेकिन इसके साथ ही सूरज की किरणों के विटामिन डी का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसके अलावा ये मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हो सकती है।

सूर्य की किरणें सिर्फ हमारे वातावरण को रोशन नहीं करती,बल्कि शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बहुत जरूरी होती हैं।आपने ये तो सूना ही होगा की धूप विटामिन डी का सबसे अच्छा स्त्रोत है।जब हमारी स्किन सूरज की किरणों के संपर्क में आती है,तो यह विटामिन डी का प्रोडक्शन शुरू करती है,जो हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है।लेकिन इसके अलावा धूप हमारी मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होती है।

आज के समय में मेंटल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।लगातार चिंता करने की आदत डिप्रेशन का रूप ले सकती है।लेकिन इसके अलावा अनहेल्दी लाइफस्टाइल भी इसमें बहुत भूमिका निभाता है।इसलिए मेंटल हेल्थ को बेहतर रखने के लिए समय पर सोने-उठने के अलावा मेडिटेशन करने की सलाह दी जाती है।लेकिन इसके अलावा सूर्य की रोशनी भी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

सूरज की रोशनी और सेरोटोनिन

धूप का मानसिक स्वास्थ्य पर भी पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है।हेल्थलाइन वेबसाइट के मुताबिक माना जाता है कि सूरज की रोशनी के संपर्क में आने से ब्रेन में सेरोटोनिन नामक हार्मोन स्तर बढ़ता है।सेरोटोनिन हार्मोन मूड को बेहतर बनाने और व्यक्ति को शांत और केंद्रित महसूस करने में मदद करने से जुड़ा है।सेरोटोनिनको'खुशी का हार्मोन'भी कहा जाता है।धूप में समय बिताने से तनाव और चिंता को भी कम किया जा सकता है,जिससे मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।अगर पर्याप्त धूप न मिले तो ऐसे में सेरोटोनिन का स्तर कम हो सकता है।

इसके लिए सुबह7बजे तक की धूप ज्यादा फायदेमंद होती है।जब आप सुबह जल्दी उठकर उगते सूरज को देखें और उस समय मेडिटेशन या योग करेंगे तो ये आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।लेकिन इसके साथ ही लाइफ और हेल्थ से जुड़ी फैक्टर मेंटल हेल्थ पर प्रभाव डालते हैं।

ज्यादा तेज या देर तक धूप की रोशनी में रहने से भी स्किन और सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।इसलिए ध्यान रखें कि खुद को हाइड्रेट रखें और धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन लगाएं,बिना इसके ज्यादा देर तक धूप में न रहें।अगर आप15से20में से ज्यादा बाहर धूप में रहते हैं तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें और गर्मियों में तेज धूप में ज्यादा बाहर न रहें।

शादी से पहले ख़ुद को वित्तीय रूप से तैयार करना है ज़रूरी

जानिए कौन-कौन सी योजनाएं आएंगी काम

शादी ज़िंदगी का सबसे बड़ा फ़ैसला है। इसीलिए जिस इंसान के साथ पूरी ज़िंदगी गुज़ारनी है उसका चुनाव करने में कई साल भी लग जाते हैं। अगर अच्छा जीवनसाथी मिल भी जाए तो ऐसा ज़रूरी नहीं कि आज उसके साथ जैसी ज़िंदगी है, दस-बीस साल बाद भी वैसी ही रहे। समय के साथ-साथ परिस्थितियां बदलती हैं, लोग बदल जाते हैं, जिसका असर ज़िंदगी पर पड़ता है। ऐसी स्थिति में आपका मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है ताकि आप हर दशा का सामना कर सकें। और ऐसा फौरन नहीं हो सकता, इसकी तैयारी आपको शादी से पहले करनी होगी। शादी से पहले हर युवती को छोटे-छोटे निवेशों से अपना वित्तीय पक्ष मज़बूत करना चाहिए। अगर भविष्य में आपको वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़े तो कल का किया हुआ निवेश आपका आज मज़बूत करेगा। अपने वित्त पर नियंत्रण होने से आपको आर्थिक मामलों में बेहतर स्पष्टता और दृश्यता मिलेगी।

हर सूरत में साथ देगी वित्तीय तैयारी

वित्तीय आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप किसी भी परिस्थिति से निपटने में स्वयं को सक्षम महसूस करेंगी। आप अपनी इच्छानुसार कॅरियर चुन सकती हैं, पढ़ाई-लिखाई से लेकर अपनी ज़रूरतों को ख़ुद पूरा कर सकती हैं।

घरों की बढ़ती क़ीमतों, लोन की ईएमआई और बच्चों की पढ़ाई पर ख़र्च निरंतर बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह ज़रूरी है कि पति-पत्नी दोनों ही अपने आर्थिक संसाधनों को बढ़ाते रहें। वित्तीय आत्मनिर्भरता से रिश्तों में समानता बढ़ती है।

यदि आप वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हैं, तो पुरुष की नौकरी जाने, उससे अलग होने, दुर्घटना अथवा मृत्यु जैसी परिस्थितियों में भी आप ख़ुद को संभाल सकती हैं। ज़िंदगी गुज़ारने के लिए दूसरों पर आश्रित नहीं होना पड़ेगा।

योजनाएं, जो वित्तीय स्थिरता में मदद करेंगी...

बचत खाता खोलें

हर व्यक्ति के पास उसका अपना एक बैंक खाता तो होना ही चाहिए। भले ही आप फिलहाल कमाई ना कर रही हों, फिर भी कुछ बचत के पैसे इस खाते में जमा कर सकती हैं। अगर सैलरी अकाउंट है तो उसके बावजूद एक बचत खाता अलग होना चाहिए।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक सरकारी योजना है। न्यूनतम 500 रुपये से आप अपना खाता खोल सकती हैं। बैंक और डाकघर में यह खाता खोला जा सकता है। पीपीएफ की परिपक्वता अवधि 15 वर्ष है, जिसे बढ़ाया भी जा सकता है। पीपीएफ में ब्याज दर अभी 7.10 फ़ीसदी है। वर्ष में न्यूनतम एक बार निवेश करना अनिवार्य है।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ)

परम्परागत निवेश योजनाओं से हटकर ईटीएफ एक अच्छा वित्तीय स्रोत है। आज सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स के अतिरिक्त सोने-चांदी आदि के भी ईटीएफ उपलब्ध हैं, जिन्हें किसी शेयर की तरह ही स्टॉक मार्केट से ख़रीदा और बेचा जा सकता है। इन्हें ख़रीदने के लिए ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होगा। इसमें एनएसई पर उपलब्ध गोल्ड ईटीएफ के यूनिट आप ख़रीद सकती हैं।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

यह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना है। 18 से 70 वर्ष तक की आयु के दौरान आप इस योजना से जुड़ सकती हैं। मात्र 20 रुपये के भुगतान पर आप 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा प्राप्त कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना

यह योजना केवल 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा प्रदान करती है। 18 से 50 वर्ष की आयु के दौरान आप अपने बैंक के माध्यम से इस योजना से जुड़ सकती हैं।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

यह योजना पेंशन रेग्युलेटर की ओर से फंड मैनेजर संचालित करते हैं। इस समय देश में 10 फंड मैनेजर कार्यरत हैं, जिनमें किसी के पास आप अपना पेंशन खाता खोल सकती हैं। 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर आप अपनी जमा राशि का 60 फ़ीसदी निकाल सकती हैं, जो करमुक्त है। शेष 40 फ़ीसदी राशि आप पेंशन योजना में जोड़ सकती हैं।

म्यूचुअल फंड की रिटायरमेंट स्कीम

लगभग सभी म्यूचुअल फंड कंपनियों की रिटायरमेंट स्कीम उपलब्ध हैं, जिनमें आप अपनी कमाई के दिनों में निवेश कर वृद्धावस्था में पेंशन प्राप्त कर सकती हैं।

गर आगे बढ़ना चाहती हैं

अगर आप गृहिणी हैं और आय चाहती हैं तो प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़ सकती हैं। यदि आपके पास ऐसा कौशल है जिससे आपको लगता है कि आप अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं और आय का ज़रिया बना सकती हैं तो रुचि के अनुसार कौशल विकास योजना की मदद ले सकती हैं। कुटीर और लघु उद्योग के लिए आप बैंक से ऋण प्राप्त कर सकती हैं। आपके पास बैंक को ज़मानत देने के लिए कुछ नहीं है, तब भी आप क्रेडिट गारंटी स्कीम के अंतर्गत मामूली फीस का भुगतान कर ऋण प्राप्त कर सकती हैं।

गर्लफ्रेंड के कान में ब्लास्ट हुआ ईयरबड, कंपनी के रिएक्शन से दुनिया हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। सैमसंग के ईयरबड्स में ब्लास्ट होने की खबर सामने आ रही है। दरअसल, एक यूजर के कान में ही इन ईयरबड्स में ब्लास्ट हो गया और सुनने की क्षमता प्रभावित हुई।

अदाना, तुर्की के एक 24 साल स्टूडेंट ने सैमसंग ईयरबड्स के साथ एक चौंकाने वाला एक्सपीरियंस शेयर किया है, जहां ईयरबड्स में कान में विस्फोट हुआ और उसकी गर्लफ्रेंड की सुनने की क्षमता चली गई। उन्होंने तुर्की सैमसंग कम्यूनिटी पर इसे शेयर किया है। बयाजित नाम के स्टूडेंट के पास समसंग एस24 अल्ट्रा फोन था। इसके साथ इस्तेमाल करने के लिए उसने सैमसंग ईयरबड्स खरीदे। अनबॉक्सिंग के बाद उन्होंने उन्हें चार्ज नहीं किया क्योंकि ईयरबड्स में लगभग 36प्रतिशत बैटरी थी। हालांकि, जब उसकी गर्लफ्रेंड ने उससे ईयरबड्स लिए तो उनमें से एक ईयरबड उसके कान में ही फट गया, जिससे उसे सुनने की क्षमता परमानेंटली डैमेज हो गई। छात्र के पास एक डॉक्टर की रिपोर्ट है जो इस चोट को कन्फर्म करती है कि यह ईयरबड में हुए ब्लास्ट के कारण हुई थी।

इस घटना के बाद उन्होंने सैमसंग से संपर्क किया। उन्हें अदाना सेमलपाशा सर्विस सेंटर में ईयरबड ले जाने के लिए कहा गया। शुरुआत में, कर्मचारी हैरान थे और माफी मांग रहे थे। लेकिन सिर्फ दो दिन बाद, सैमसंग ने उन्हें वापस बुलाया और एक रिपोर्ट में दावा किया कि ईयरबड में विस्फोट नहीं हुआ था, बल्कि वह केवल डैमेज हो गया था। उन्होंने ईयरबड्स को रिप्लेस करने की बात कही, लेकिन चोट के दावे को खारिज कर दिया और स्टूडेंट को सलाह दी कि अगर वह उनके ऑफर से नाखुश हैं तो कानूनी कार्रवाई करे। यह बयाजित के लिए चौंकाने वाला था। बयाजित ने सैमसंग को सारे डॉक्यूमेंट्स दिए जिसमें चालान, तस्वीरें और डॉक्टर की रिपोर्ट शामिल है, जो कान के सुनने की क्षमता में क्षति को ईयरबड ब्लास्ट से जोड़ती है। इसके बावजूद सैमसंग ने पूरी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया।

एप्पल यूजर्स पर मंडरा रहा खतरा, तुरंत कर लें ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने एप्पल उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। एजेंसी के अनुसार, आईओएस, आईपेडओएस पर चलने वाले एप्पल डिवाइसों में गंभीर सुरक्षा खामियां पाई गई हैं। इन खामियों का फायदा उठाकर हैकर्स आपके डिवाइस को हैक कर आपकी गोपनीय जानकारी चुरा सकते हैं और आपके डिवाइस पर नियंत्रण भी कर सकते हैं।

कहां-कहां हैं खामियां?

सर्ट-ईन के अनुसार, लगभग सभी एप्पल उत्पादों में ये खामियां पाई गई हैं,

कैसे हो सकते हैं आप प्रभावित?

डेटा चोरी : हैकर्स आपके फोटो, वीडियो, मैसेज और अन्य संवेदनशील डेटा तक पहुंच सकते हैं।

डिवाइस क्रैश : हैकर्स आपके डिवाइस को क्रैश कर सकते हैं।

डिवाइस पर नियंत्रण : हैकर्स आपके डिवाइस को दूर से नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे कि आपके कैमरे और माइक्रोफोन का उपयोग करना।

अन्य डिवाइसों पर हमला : हैकर्स आपके डिवाइस को अन्य डिवाइस या नेटवर्क पर हमला करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्यों है यह चेतावनी महत्वपूर्ण?

यह चेतावनी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपके डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता के लिए खतरा है। यदि आप इन निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो आपके डिवाइस को हैक होने का खतरा बढ़ जाता है।

यूएनएससी में सुधार पर एकजुट जी4 देश, विदेश मंत्रियों ने आईबीएसए मीटिंग में की चर्चा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान (जी4 देश) ने गुरुवार को एक संयुक्त बैठक की. इस दौरान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के भविष्य के शिखर सम्मेलन का स्वागत किया. इसके अलावा बैठक में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की जरूरत पर भी चर्चा की गई.

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा और जापान के विदेश मामलों के मंत्री योको कामिकावा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र से इतर एक बैठक की. इसमें उन्होंने कहा कि यूएनएससी में सुधार की संभावनाओं पर यूएन को चर्चा करनी चाहिए.

सुरक्षा परिषद के सुधारों पर चर्चा

एक्स पर एक पोस्ट में, जयशंकर ने कहा कि विदेश मंत्री मौरो विएरा और विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला के साथ IBSA विदेश मंत्रियों की एक बैठक में भाग लिया. उन्होंने कहा कि हमने संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और इसकी सुरक्षा परिषद के सुधारों पर चर्चा की है. 2003 में ब्रासीलिया में तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस समूह को औपचारिक रूप दिया गया और इसका नाम आईबीएसए वार्ता मंच रखा गया.

विदेश मामलों के मंत्रियों की आईबीएसए बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि मंत्रियों ने सुरक्षा परिषद की सदस्यता के विस्तार के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसमें स्थायी और अस्थायी सदस्यता दोनों श्रेणियों में अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व शामिल हो.

ब्राजील और भारत के प्रयासों का समर्थन

उन्होंने अफ्रीकी देशों की यूएनएससी में स्थायी उपस्थिति का समर्थन किया और सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों पर कब्जा करने के लिए ब्राजील और भारत के प्रयासों का भी समर्थन किया. तीनों मंत्रियों ने यूक्रेन में संघर्ष के बारे में चिंता व्यक्त की और इसमें शामिल सभी पक्षों से तनाव कम करने और सीधे संवाद को बढ़ावा देने का आह्वान किया, ताकि प्रभावी शांति के लिए स्थितियां बनाई जा सकें.

संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने मध्यस्थता और अच्छे कार्यों के प्रस्तावों का मूल्यांकन किया, जिसमें सीधे तौर पर शामिल नहीं होने वाले देशों द्वारा किए गए प्रस्ताव भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान करना है.

बंधकों की रिहाई की मांग

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी राज्यों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करना चाहिए. जयशंकर, विएरा और लामोला ने गाजा में नाटकीय मानवीय स्थिति के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और तत्काल युद्धविराम और सभी शेष बंधकों की रिहाई के लिए अपना आह्वान दोहराया. उन्होंने टू स्टेट समाधान के आधार पर संघर्ष के स्थायी समाधान की तत्काल आवश्यकता की पुष्टि की, जिसमें एक स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य इजराइल के साथ शांति और सुरक्षा के साथ, 1967 की सीमाओं के भीतर रह रहा हो, जिसमें गाजा पट्टी और पश्चिमी तट शामिल हैं, जिसकी राजधानी पूर्वी यरुशलम है.

इसमें कहा गया है, मंत्रियों ने उन देशों से ऐसा करने को कहा जिन्होंने अभी तक फिलिस्तीन राज्य को मान्यता नहीं दी है. उन्होंने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए अपना समर्थन जताया. मंत्रियों ने मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्षों के जोखिम के बारे में अपनी चिंता साझा की, जिसके पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं.

भूख और गरीबी के खिलाफ

मंत्रियों ने जी20 की ब्राजील की अध्यक्षता की प्रमुख पहलों में से एक भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन के पूर्व-शुरुआत का स्वागत किया. संयुक्त बयान में मंत्रियों ने आईबीएसए फोरम को और अधिक सक्रिय और सशक्त बनाने के अपने इरादे को दोहराया.

जवाबदेह बनाने का उद्देश्य

मंत्रियों ने 2030 के एजेंडे को लागू करने, 21वीं सदी की समकालीन वैश्विक चुनौतियों का पर्याप्त रूप से समाधान करने और वैश्विक शासन को अधिक प्रतिनिधि, वैध, लोकतांत्रिक, प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य की बात कही. उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद का सुधार संयुक्त राष्ट्र को समकालीन वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने और वर्तमान व भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के प्रयास का अनिवार्य हिस्सा है.

मंत्रियों की स्टैंडअलोन बैठक

मंत्रियों ने 38 देशों में 45 परियोजनाओं के साथ दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पहल, IBSA फंड को मजबूत करने, विस्तार करने और बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की. न्यूयॉर्क में विदेश मामलों के मंत्रियों की IBSA बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, तीनों मंत्रियों ने इस विषय के महत्व को बढ़ावा देने का संकल्प लिया, जैसा कि फरवरी 2024 में आयोजित विदेश मामलों के मंत्रियों की स्टैंडअलोन बैठक में कहा गया था.

ट्रम्प को मारने की साजिश... ईरान ने आरोपों पर दी सफाई, बोला- ये राजनीतिक स्टंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि हाल ही में उनकी हत्या के प्रयासों के पीछे ईरान का हाथ हो सकता है। वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोपों पर ईरान ने गुरुवार को कहा कि पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने के उस पर लगे आरोप निराधार हैं।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने एक बयान में कहा कि यह स्पष्ट है कि इस तरह के आरोप अमेरिका में चुनावी माहौल बनाने का एक हिस्सा मात्र हैं। और इस पर प्रतिक्रिया देने लायक भी नहीं हैं। उत्तरी कैरोलिना के मिंट हिल में पाइप-फिटिंग प्लांट में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने कहा था कि मेरी हत्या के दो प्रयास हुए हैं, जिनके बारे में हम जानते हैं, और हो सकता है कि उनमें ईरान शामिल हो, लेकिन मुझे वास्तव में नहीं पता। ट्रम्प ने यह टिप्पणी तब की जब एक दिन पहले अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने उन्हें ईरान से उनकी हत्या करने की धमकियों के बारे में जानकारी दी।

पेंसिल्वेनिया में ट्रंप को लगी गोली

संघीय अधिकारी सितंबर के मध्य में फ्लोरिडा के गोल्फ कोर्स में और जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक रैली में ट्रम्प को निशाना बनाकर की गई हत्या के प्रयासों की जांच कर रहे हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किसी भी घटना में ईरान या किसी अन्य विदेशी शक्ति की संलिप्तता का कोई सार्वजनिक सुझाव नहीं दिया गया है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की विफलता

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास मामले की जांच कर रही एक समिति के सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि पूर्व राष्ट्रपति पर हमला अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की विफलता थी न कि स्थानीय पुलिस की।सदन की एक द्विदलीय समिति के सदस्यों ने मामले की पहली सुनवाई के दौरान यह बात कही। समिति में सात रिपब्लिकन और छह डेमोक्रेट शामिल हैं।

सीक्रेट सर्विस, देश की सबसे पुरानी संघीय जांच कानून प्रवर्तन एजेंसियों में से एक है।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप पर 13 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में चुनावी रैली के दौरान हमला किया गया था, जिसमें एक गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी थी। जांच एजेंसी एफबीआई ने हमलावर की पहचान बेथेल पार्क के रहने वाले थॉमस माइकल क्रुक्स के रूप में की थी। अपने प्रारंभिक बयान में समिति के रिपब्लिकन सह-अध्यक्ष, पेंसिल्वेनिया के प्रतिनिधि माइक केली ने हमले के लिए सीक्रेट सर्विस की विफलताओं को दोषी ठहराया, जिसके कारण बंदूकधारी क्रुक्स को पास की इमारत की छत तक पहुंचने और ट्रंप पर गोलीबारी करने का मौका मिल गया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस स्टेशन के अंदर धमाका, बच्चे की मौत, 25 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आए दिन कहीं न कहीं पर धमाके होते ही रहते हैं। अब यहां के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बड़ा धमाका हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा में कल गुरुवार को एक पुलिस स्टेशन के अंदर शक्तिशाली धमाका हो गया जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई और 25 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। हालांकि पुलिस की ओर से कहा गया है कि यह धमाका आतंकवादी धमाका नहीं था। यह घटना उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान क्षेत्र में पड़ने वाले पेशावर से करीब 70 किलोमीटर दूर स्वाबी पुलिस स्टेशन में हुई। केंद्रीय पुलिस कार्यालय को मिली शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, यह धमाका पुलिस स्टेशन की पहली मंजिल पर एक डिपो के अंदर "शॉर्ट सर्किट की वजह" से हुआ।

घटना के बाद बचाव और अग्निशमन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों को बाचा खान मेडिकल में भर्ती कराया गया। वह पर इमरजेंसी लगा दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि धमाके में कई लोग घायल हो गए हैं और 'इमारत का ऊपरी हिस्सा ढह गया है।' उन्होंने बताया कि धमाके में एक बच्चे की मौत हो गई और 25 अन्य बुरी तरह से जख्मी हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। थाने के अंदर हुए धमाके से बिल्डिंग को खासा नुकसान पहुंचा। धमाका होते ही वहां आग लग गई, हालांकि, अग्निशमन दलों ने काफी कोशिशों के बाद इसे बुझा दिया।

धमाके के बारे में खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया कि पुलिस स्टेशन के अंदर हुआ धमाका आतंकवादी घटना नहीं है। उनके अनुसार, जो अपना नाम नहीं बताना चाहते थे, "कई अभियानों के दौरान जब्त किए गए विस्फोटक चीजों में गड़बड़ी की वजह से दुर्घटनावश धमाका हो गया, हालांकि उन्हें बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर नियंत्रित तरीके से नष्ट करने की योजना बनाई गई थी।" राहत और बचाव कार्य से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने मलबे से अब तक 12 घायलों को निकाला है। घायलों की संख्या बढ़ सकती है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने धमाके में एक बच्चे की मौत पर शोक जताया। उन्होंने मारे गए बच्चे के परिवार के लिए नकद मुआवजे का ऐलान भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने घायलों को समय पर चिकित्सीय सुविधा दिलाने के लिए संभागीय और जिला प्रशासन को बचाव अभियान शुरू करने का आदेश दिया।

'भ्रष्ट लोगों को बढ़ावा देते हैं राहुल गांधी', सीबीआई जांच की सहमति वापस लेने पर भड़की भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक में सीबीआई जांच की सहमित वापस लिए जाने को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेर लिया है। भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार की दुकान हो गई है। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं, जो खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को राज्य में जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस ले ली है।

'भ्रष्टाचार की दुकान बन गई है कांग्रेस'

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'यह पूरी तरह से साफ हो गया है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की दुकान बन गई है। मुडा घोटाले में हाईकोर्ट का आदेश आया है और सीएम पर आरोप लगे हैं। विशेष न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, लेकिन सीएम सिद्धारमैया इस्तीफा देने के बजाय अहंकार दिखा रहे हैं। अब किसी भी मामले की जांच के लिए आवश्यक राज्य की सहमति वापस ले ली गई है। यह इस बात का सबूत है कि वे किस तरह खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 'जांच के फंदे में फंसे सीएम का यह खुद को बचाने का आखिरी हथकंडा है, लेकिन जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि वे क्या कदम उठाने जा रहे हैं। कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, लूटती है। अगर किसी तरह हरियाणा में सत्ता में आ गए तो वहां भी लूटेंगे। लूटना ही कांग्रेस का चरित्र है।'

भ्रष्ट लोगों को बढ़ावा देते हैं राहुल गांधी

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि 'कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने माना है कि मुडा घोटाले में प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने ये भी माना है कि वे दोषी हैं। यही कारण है कि उन्होंने सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति को रद्द कर दिया गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने माना है कि सीएम MUDA घोटाले में अपने परिवार को 55 करोड़ रुपये का अनुचित लाभ पहुंचाने में शामिल थे। कर्नाटक के सीएम एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं। अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए, वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई स्वतंत्र एजेंसी मामले की जांच न करे। समस्या की जड़ राहुल गांधी हैं क्योंकि वह कांग्रेस में उन लोगों को बढ़ावा देते हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। राहुल गांधी की कांग्रेस भ्रष्टाचार की राजा है।'

संजय राउत का भाजपा पर पलटवार

कर्नाटक द्वारा सीबीआई जांच की सहमति वापस लिए जाने पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि 'जिस पार्टी में पूरे देश के भ्रष्टाचार को शाही पनाह मिलती है, वह कर्नाटक के सीएम के खिलाफ कार्रवाई करना चाहती है क्योंकि वहां कांग्रेस की सरकार है। यह राज्यपाल पर दबाव बना रही है। आपने दिल्ली, झारखंड के मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला। लोगों ने आपसे बहुमत छीन लिया, लेकिन आप अभी भी सीख नहीं ले रहे। यह किस तरह की मक्कारी है। येदियुरप्पा को क्यों छोड़ा गया। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले हैं। पहले उन्हें येदियुरप्पा के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए फिर सिद्धारमैया के साथ न्याय-अन्याय की बात करनी चाहिए।'

इंद्राणी मुखर्जी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, विशेष अदालत से मिली विदेश यात्रा की मंजूरी खारिज

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा पारित उस आदेश को रद्द कर दिया। जिसमें शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। इस मामले में सीबीआई की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसमें सीबीआई ने अंदेशा जताया था कि, गंभीर अपराध में आरोपी इंद्राणी मुखर्जी विदेश से भाग सकती हैं।

न्यायमूर्ति श्याम चांडक की सिंगल बैंच ने विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका को इस आधार पर स्वीकार किया कि, इंद्राणी मुखर्जी एक गंभीर अपराध में मुकदमे का सामना कर रही हैं और उनके देश से भागने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि, याचिका स्वीकार की जाती है। विवादित आदेश को रद्द किया जाता है। इसे इंद्राणी के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है

विशेष सीबीआई अदालत ने 19 जुलाई को इंद्राणी मुखर्जी को अगले तीन महीनों के दौरान बीच-बीच में दस दिनों के लिए एक बार यूरोप (स्पेन और यूके) की यात्रा करने की अनुमति दी थी। मुखर्जी ने विदेश यात्रा की परमिशन यह कहकर मांगी थी कि, पूर्व पति पीटर मुखर्जी से तलाक के बाद उन्हें बैंक से संबंधित कुछ दस्तावेजों में बदलाव करने और अन्य सहायक कार्यों की जरूरत है। इसके लिए उनका विदेश जाना जरूरी है।

न्यायमूर्ति चांडक ने कहा कि यदि इंद्राणी मुखर्जी भारत से काम करना चाहती हैं तो संबंधित वैधानिक प्राधिकारी उनकी मदद करेंगे। पीठ ने स्पष्ट तौर पर कहा कि उन्होंने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। केवल इस बात का उल्लेख किया है कि विशेष अदालत का आदेश ठीक नहीं था और इसलिए टिकाऊ नहीं था। वहीं अनुमति देते समय विशेष अदालत ने इंद्राणी मुखर्जी के लिए कुछ शर्तें भी रखी थीं। अदालत ने कहा था कि अपनी विदेश यात्रा के दौरान, वह अपनी यात्रा के दौरान कम से कम एक बार भारतीय दूतावास या उसके संबद्ध राजनयिक मिशन के कार्यालय में उपस्थित होंगी और उपस्थिति प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगी। अदालत ने उन्हें 2 लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि जमा करने का भी निर्देश दिया।

अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के मामले में अगस्त 2015 में इंद्राणी मुखर्जी को गिरफ्तार किया गया था। कई सालों तक जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मई 2022 में उन्हें जमानत दी थी। जिसके बाद वह जेल से बाहर आईं थीं।

अप्रैल 2012 में मुंबई में इंद्राणी मुखर्जी, उनके एक ड्राइवर श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना ने कथित तौर पर शीना बोरा (24) की कार में गला घोंटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को पड़ोसी जिले रायगढ़ के एक जंगल में जला दिया गया था। शीना बोरा इंद्राणी मुखर्जी की पिछले रिश्ते से हुई बेटी थी। हत्या

53 दवाइयां गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए जाने पर विशेषज्ञ ने जताई चिंता, कहा- हम दुनिया की फार्मा...

नई दिल्ली। भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर, भारतीयों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इस बात का खुलासा हाल ही में सामने आई सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) की एक रिपोर्ट में हुआ। ड्रग रेगुलेटर ने कई दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी, जिसमें 50 से ज्यादा दवाएं फेल हो गईं। आसान भाषा में कहें, तो ये दवाएं तय मानकों के अनुरूप नहीं बनाई गई थीं। अब एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया के एमेरिटस अध्यक्ष ने इसे लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि हम दुनिया की फार्मा राजधानी हैं और ऐसे समय में अगर दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठता है तो यह एक बुरी स्थिति है।

संक्रामक रोग विशेषज्ञ और एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया के एमेरिटस अध्यक्ष डॉ. ईश्वर गिलाडा ने कहा, 'सीडीएससीओ ने 53 नकली दवाओं का पता लगाया है। मुझे यह मामला बहुत गंभीर लग रहा है क्योंकि हम एक चौराहे पर खड़े हैं। एक तरफ हम दुनिया की फार्मा राजधानी हैं और हमें ऐसे में यह पता चलता है कि हमारी दवाओं के नाम खराब हैं तो यह एक बुरी स्थिति है।'

उन्होंने आगे कहा कि पहली बार हमारे पास एक ऐसा मंत्री है, जो रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य का प्रभारी है। यह अच्छा है क्योंकि मंत्री प्रभावशाली हो सकते हैं और मंत्रालय को कार्रवाई करनी चाहिए।

'दवाएं हमारी कंपनी की नहीं'

इंडियन ड्रग्स रेग्युलेटर सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) की रिपोर्ट में गुणवत्ता परीक्षण में फेल बताई गईं पैरासिटामोल समेत 53 दवाओं को दवा कंपनियों ने नकली बताया है। दवा कंपनी सन फार्मा और टोरेंट फार्मा ने दावा किया कि रिपोर्ट में फेल बताई गईं दवाएं हमारी कंपनी की नहीं हैं। उनकी कंपनी की दवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है।

इंडियन ड्रग्स रेग्युलेटर सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) ने एक रिपोर्ट में पैरासिटामोल, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की सप्लीमेंट, मधुमेह की गोलियां और हाई ब्लड प्रेशर की दवाओं सहित 50 से अधिक दवाओं को औषधि नियामक द्वारा किए गए गुणवत्ता परीक्षण में फेल बताया था। इसे लेकर सन फार्मा कंपनी की ओर से कहा गया कि कंपनी ने मामले की जांच की। इसमें पाया कि पल्मोसिल (सिल्डेनाफिल इंजेक्शन), बैच नंबर KFA0300; पैंटोसिड (पैंटोप्राजोल टैबलेट आईपी), बैच नंबर SID2041A और उर्सोकोल 300 (उर्सोडॉक्सिकोलिक एसिड टैबलेट आईपी), बैच नंबर GTE1350A नकली हैं। इन बैच की दवाओं को सन फार्मा ने नहीं बनाया है।

कंपनी की ओर कहा गया है कि हम मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हमारे दवा ब्रांड पर क्यूआर कोड रहता है। जिससे मरीज आसानी से उन्हें स्कैन करके प्रमाणिकता सत्यापित कर सकते हैं। इसके अलावा हमने सुरक्षा के लिए एक 3डी सुरक्षा पट्टी भी शामिल की है।

वहीं टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स ने कहा कि हमने शेल्कल 500 के उसी बैच का मूल्यांकन किया, जिसका सीडीएससीओ ने परीक्षण किया था। हमने पाया कि जब्त किया गया नमूना टोरेंट ने नहीं बनाया है। यह नकली है। कंपनी ने शेल्कल पर क्यूआर कोड लागू किया है। इसकी प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए बैच विनिर्माण विवरण प्रदर्शित किया गया है।

आखिरकार आ ही गया कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का पहला लुक, बॉक्स ऑफिस पर दिवाली धमाका बनकर आएंगे रूह बाबा

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया-3 का पोस्टर रिलीज हो गया है। इसी साल दीवाली पर रिलीज हो रही ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन ने लिखा, दरवाजा खुलेगा... इस दिवाली। डायरेक्टर अनीस बज्मी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काटने के लिए एक बार फिर तैयार है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं. भूल भुलैया के पहले पार्ट में अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। वहीं इसके बाद दूसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आए थे। अब कार्तिक भूल भुलैया-3 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शीनी अहूजा जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 32 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में सभी को चौंका दिया था। फिल्म ने 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की वर्ल्डवाइड कलेक्शन की थी। वहीं कुल 68 करोड़ रुपये भारत में कमाए थे। फिल्म ने पहले ही दिन करीब 4 करोड़ रुपयों की कमाई कर सुपरहिट का अंदाजा लगा दिया था। वहीं भूल भुलैया का दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज किया गया। 20 मई 2022 को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 ने भी कमाई के मामले में कमाल कर दिया. इस फिल्म को डायरेक्टर अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। 90 करोड़ रुपयों से बनी इस फिल्म ने 263 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी इस साल दिवाली पर रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स को हर बार की तरह इस पार्ट से भी बंपर कमाई की उम्मीद है।

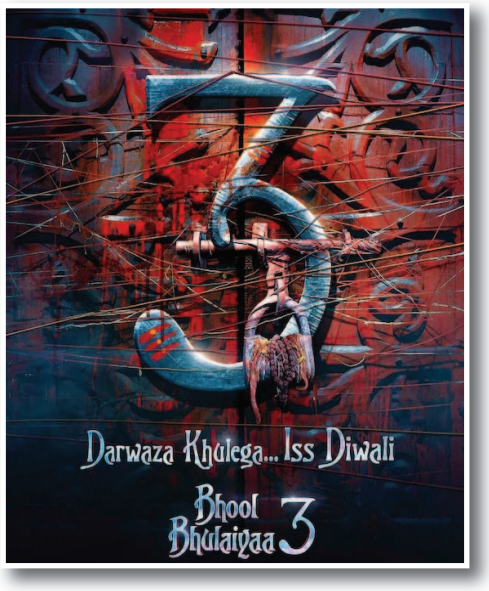

बच्चन परिवार की तरह फिल्मों में नहीं आना चाहती बिग बी की नातिन, बोलीं- बिजनेस में है ज्यादा रुचि

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा एक बिजनेस सोच रखती हैं और बिजनेस में ही अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बात की, जहां उन्होंने बताया कि वह अपनी पसंद से एक्टर नहीं बनना चाहती हैं, जबकि उनके भाई अगस्त्य नंदा के अलावा उनका पूरा परिवार मनोरंजन इंडस्ट्री में काफी एक्टिव है।

नव्या ने इंडिया टुडे मुंबई कॉन्क्लेव 2024 में कहा कि हर किसी को अपनी विरासत की उम्मीदों पर खरा उतरने में एक मजबूत भूमिका निभानी होती है। जब बात उनकी आती है, तो उनका मानना है कि वह सामाजिक प्रभाव और व्यवसाय को लेकर ज्यादा रुचि रखती हैं और यहीं वह अपना भविष्य भी देखती हैं। नव्या ने कहा, 'मैं जिस भी बैकग्राउंड से आती हूं, मैं हमेशा यही करना चाहती थी। मैं उन सभी अवसरों के लिए आभारी हूं, जो आज मुझे मिल रहे हैं।'

नव्या ने आगे कहा कि भारत में कई लोगों के लिए यह शायद सच नहीं हो सकता है, लेकिन मैं कभी भी अभिनय नहीं करना चाहती थी। बता दें कि नंदा को हाल ही में आईआईएम एडमिशन को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, जहां लोगों ने उनकी उपलब्धियों और योग्यता पर सवाल उठाए थे।

इंटरव्यू में आगे नव्या ने ने खुद को सोशल मीडिया ट्रोलिंग से बचाने के बारे में भी बात की और बताया कि वह इस बारे में बिल्कुल भी परवाह नहीं करती हैं। नव्या ने कहना है कि सोशल मीडिया ने कई लोगों को अपनी आवाज दी है और यह आपके काम को सामने लाने के लिए एक बेहतरीन जगह है।

आईआईएम का हिस्सा बनने के लिए खुद को लकी बताते हुए नव्या ने कहा, 'मैंने अपने काम और खुद को वहां रखने का एक्टिव ऑप्शन चुना है। मैं लोगों की किसी भी बात पर बुरा नहीं मानती। मेरी सच्चाई देश की कई महिलाओं से अलग है। मैं इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं देती कि लोग मेरे बारे में क्या नेगेटिव बातें कहते हैं।'

आयुष्मान खुराना–पश्मीना का नया गरबा सॉन्ग जचदी का टीजर आउट, थिरकने पर मजबूर कर देगी गाने का बीट

आयुष्मान-खुराना पश्मीना रोशन इस साल नवरात्रि पर धमाल मचाने के लिए तैयार है, क्योंकि यह जोड़ी एक दमदार बीट के साथ एक नया गरबा सॉन्ग लेकर आ रही हैं। मेकर्स ने गाने का टीजर जारी किया है। पूरा गाना 27 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बुधवार को आयुष्मान खुराना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपना नया गरबा सॉन्ग जचदी का टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, जचदी जल्द ही रिलीज होने वाला है, लेकिन यहां उस पागलपन की एक झलक है जो स्टोर में है। यह ट्रैक 27 सितंबर को रिलीज होगा।

टीजर की शुरुआत आयुष्मान खुराना से होती है, जो गरबा के लिए पूरी तैयारी के साथ डांस करने पहुंचते हैं। इसके बाद पश्मीना की झलक दिखाई गई है, जो गुजराती ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। आयुष्मान और पश्मीरा शानदार डांस स्टेप करते हैं। गाने की धून की बात करें तो इसका बीट काफी दमदार है, जो लोगों को थिरकने पर मजबूर कर देगी।

आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन के गरबा सॉन्ग जचदी का कलरफुल पोस्टर जारी हुआ था। एक्टर ने इसे साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, आ रहा हूं लेके जचदी इस नवरात्रि को और एलआईटी बनाएं जिसमें शानदार पश्मीना रोशन शामिल है, यह ट्रैक 27 सितंबर को रिलीज होगा।

गाने को आवाज आयुष्मान ने दिया है। जबकि पश्मीना ने फचरिंग की हैं। बता दें पश्मीना, ऋतिक रोशन की कजिन हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू किया था। फिलहाल पूरा गाना 27 सितंबर को धूम मचाने आ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com